mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-100 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

13 अप्रैल 2025 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

विनेश फोगाट ने...
@ पेज 7

नेशनल हेराल्ड केस में ईडी की बड़ी कार्रवाई, संपत्तियों पर कब्जा लेने की प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। दरअसल ईडी ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की अटैच की गई संपत्तियों पर कब्जा लेने की प्रक्रिया को शुरू कर दिया है। बता दें कि 11 अप्रैल

● ईडी ने दिल्ली, मुंबई और लखनऊ के प्रॉपर्टी रजिस्ट्रार को इसे लेकर नोटिस

2025 को ईडी ने दिल्ली, मुंबई और लखनऊ के प्रॉपर्टी रजिस्ट्रार को इसे लेकर नोटिस भेजे हैं। इसके अलावा मुंबई के हेराल्ड हाउस में जिंदल साउथ वेस्ट प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को भी इस मामले में नोटिस भेजा गया है, जो उस बिल्डिंग की 7वीं, 8वीं और 9वीं मंजिल पर किराए पर स्थापित की गई है। बता दें कि अब इन तीनों फ्लोर का किराया हर महीने ईडी को जमा करना होगा।

बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय की जांच में यह पता चला है कि इस केस में लगभग 988 करोड़ रुपये की काली कमाई हुई है। इस कारण एजेएल की संपत्तियों को 20 नवंबर 2023 को अटैच किया गया था। इसकी कीमत करीब 751 करोड़ रुपये बताई गई है। यह कार्रवाई अब अधिकृत अदालत द्वारा 10 अप्रैल 2024 को मंजूर हो गई है। बता दें कि इस मामले की शुरुआत तब हुई थी, जब डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी ने इसे लेकर एक शिकायत की थी। उन्होंने इस शिकायत में आरोप लगाया था कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और उनके साथियों ने सिर्फ 50 लाख रुपये देकर एजेएल की 2 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति हड़प ली थी।

ईडी ने जब इस मामले की जांच की तो यह सामने आया कि झूठा किराया, बनावटी विज्ञापन और फर्जी डोनेशन के नाम पर 85 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम का हेरफेर किया गया था। अब ईडी इन संपत्तियों को अपने कब्जे में लेने की कार्रवाई में जुट चुकी है और इन संपत्तियों पर कब्जा लेने के लिए नोटिस चिपका दिए गए हैं और इनका कब्जा लेने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसके तहत अलग-अलग संपत्तियों को ईडी अपने कब्जे में लेगी।

नेशनल हेराल्ड केस क्या है? दरअसल साल 1937 में द एसोसिएटेड जर्नल्स नाम की एक कंपनी बनाई गई थी। इसके निवेशकों में कुल 5 हजार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी शामिल थे। इस कंपनी के द्वारा नेशनल हेराल्ड, नवजीवन और कौमी आवाज अखबारों का प्रकाशन किया जाता था। लेकिन समय के साथ जब ये कंपनी घाटे में ली गई तो कांग्रेस पार्टी इस कंपनी को 90 करोड़ रुपये का लोन दिया ताकि इस कंपनी को घाटे से निकाला जा सके। बावजूद इसके कंपनी को कोई खास सफलता नहीं मिली। इसके बाद साल 2010 में एक और कंपनी बनाई गई जिसका नाम रखा गया यंग इंडिया। इस कंपनी में 76 फीसदी शेयर्स सोनिया गांधी और राहुल गांधी के पास थे। वहीं मोतीलाल बोरा और आस्कर फर्नांडिस के पास 12-12 फीसदी शेयर्स थे। इस नई कंपनी ने कांग्रेस को अपना 90 करोड़ रुपये का लोन ट्रांसफर कर दिया। इसके अलावा एसोसिएटड जर्नल ने अपना सारा शेयर यंग इंडिया को दे दिया। इसके बदले यंग इंडिया ने द एसोसिएट जर्नल को मात्र 50 लाख रुपये दिए थे। इसी मामले में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने केस दर्ज कराते हुए इसमें धांधली का आरोप लगाया था।

संक्षिप्त समाचार

इजरायल ने गाजा पूरा किया मोराग कोरिडोर का निर्माण

अल अवीव (एजेंसी)। इज़रायल ने शनिवार को घोषणा की कि उसने गाजा में नए मोराग कॉरिडोर का निर्माण पूरा कर लिया है, जो दक्षिणी शहर राफा को गाजा पट्टी के बाकी हिस्सों से अलग करता है, जिससे फ़िलिस्तीनियों को ज़मीन के सिकुड़ते हुए हिस्सों में और भी ज़्यादा जगह मिल गई है, क्योंकि हवाई हमले पूरे एन्क्लेव में जारी हैं। इज़रायली सेना के एक बयान में कहा गया है कि सेना ने ÷राफा की

घेराबंदी पूरी कर ली है।÷ सेना द्वारा राफा के अधिकांश हिस्सों को कवर करते हुए व्यापक निकासी का आदेश दिए जाने के बाद 36वें डिवीजन के साथ इज़रायली सैनिकों को पिछले सप्ताह मोराग में तैनात किया गया था, जो एक यहूदी बस्ती का नाम है। यह कभी राफा और खान यूनिस के बीच स्थित थी। इजरायल ने संकेत दिया कि सेना जल्द ही एक और बड़ा जमीनी अभियान शुरू कर सकती है। यह तब हुआ जब इज़रायल ने हमास पर शेष 59 बंधकों को रिहा करने के लिए दबाव बनाने के लिए फ़िलिस्तीनी क्षेत्र के बड़े हिस्से पर कब्ज़ा करने की कसम खाई है, जिनमें से 24 के जीवित होने का अनुमान है। प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार ने भोजन, ईंधन और मानवीय सहायता पर भी एक महीने की नाकेबंदी लगा दी है, जिससे क्षेत्र के लगभग 2 मिलियन फिलिस्तीनियों को आपूर्ति कम होने के कारण तीव्र कमी का सामना करना पड़ रहा है। यह एक ऐसी रणनीति है, जिसे अधिकार समूह युद्ध अपराध कहते हैं। नेतन्याहू ने कहा था कि मोराग ÷दूसरा फिलाडेल्फिया गलियारा÷ होगा, जो मिस्र के साथ दक्षिण में सीमा के गाजा पक्ष को संदर्भित करता है, जो मई से इजरायल के नियंत्रण में है।

अमेरिका और ईरान में शुरू हुई तेहरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम पर वार्ता

मस्कट (एजेंसी)। ईरान ने अपने तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रमों के लेकर अमेरिका के साथ बातचीत शुरू कर दी है। अब यह वार्ता किस नतीजे

तक पहुंचेगी, इसे लेकर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं। ईरान और अमेरिका के बीच यह वार्ता ओमान में हो रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर परमाणु वार्ता को लेकर बातचीत का दबाव बनाया था। इसके बाद ईरान आखिरकार वार्ता को राजी हो गया। अब ईरान ने अपने तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम को लेकर ओमान में बातचीत शुरू कर दी है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने एक सोशल मीडिया मंच पर अमेरिका के साथ बातचीत शुरू होने की यह जानकारी साझा की। प्रवक्ता ने कहा, ''यह वार्ता ओमान के मेजबानों द्वारा तय किए गए स्थान पर होगी, जहां ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। इससे पहले दिन में, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्हाइट हाउस में वापसी के बाद ईरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम को लेकर पहली वार्ता से पहले ईरान और अमेरिका के राजदूत शनिवार को ओमान पहुंचे। किसी समझौते की तत्काल संभावना नहीं है, लेकिन करीब 50 वर्ष से दुश्मनी के दौर से गुजर रहे इन दोनों देशों के लिए वार्ता का महत्व और भी बढ़ गया है। ट्रंप ने बार-बार धमकी दी थी कि अगर कोई समझौता नहीं हुआ तो वे ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाकर हवाई हमले करेंगे। ईरानी अधिकारी लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि वे अपने यूरेनियम भंडार को हथियार-स्तर के करीब समृद्ध कर परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर सकते हैं।

वाराणसी में सपा नेता पर चाकू से हमला, कार्यकर्ताओं ने हमलावर को पकड़ा

वाराणसी (एजेंसी)। शहर के सिगरा इलाके में समाजवादी पार्टी के नेता हरीश मिश्रा पर हमले का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि बंदूक और चाकुओं से लैस कुछ बदमाशों ने उसके ऊपर हमला किया। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि करणी सेना ने ये हमला कराया है। वहीं सपा कार्यकर्ताओं ने दो हमलावरों को पकड़ भी लिया है। इसके बाद सपा कार्यकर्ताओं ने दोनों हमलावरों को

जमकर पीटा। वहीं हमले के बाद हरीश मिश्रा ने करणी सेना पर हमला करने का आरोप लगाया है। हालांकि हमलावरों का कहना है कि वह करणी सेना के कार्यकर्ता नहीं हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

वहीं हरीश मिश्रा ने हमले के बाद बताया कि हमलावर करणी सेना के लोग बताए जा रहे हैं। वो लोग असलहा और चाकू के साथ आए थे। उन्होंने मेरे ऊपर हमला किया, लेकिन स्थानीय लोगों ने मुझे बचा लिया। दो हमलावरों को पकड़ लिया गया है और बाकी लोग भाग गए हैं। हमने सिगरा थाने में एप्लीकेशन दिया है। सपा के साथी लोग सड़क पर बैठे हुए हैं और हम गांधी रूपी आंदोलन कर रहे हैं। हम प्रशासन से मांग करते हैं कि अगर हमलावरों को असलहे के साथ नहीं पकड़ा गया तो समाजवादी पार्टी वाराणसी के हर चौराहे पर प्रदर्शन करेगी।

वहीं वाराणसी में सपा नेता हरीश मिश्रा पर हुए हमले के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी इस पर बयान दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में सरकार पर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा, ÷समाजवादी पार्टी के जुझारू और प्रखर वक्ता व 'बनारस वाले मिश्रा जी' के नाम से लोकप्रिय हरीश मिश्रा पर चाकू से किया गया कातिलाना हमला बेहद निंदनीय है। उनके रक्तरंजित वस्त्र उप्र में ध्वस्त हो चुकी कानून-व्यवस्था की निशानी है। सपा का हर कार्यकर्ता ऐसे हमलों को झेलने की शक्ति रखता है। देखते हैं कि उप्र की तथाकथित सरकार के क्रियाहीन शरीर में इस घटना के बाद कोई हलचल होती है या नहीं।÷

गोबर विवाद पर आमने-सामने आए अखिलेश-मोहन

एमपी के सीएम ने कहा- 'भारत में रहने का अधिकार नहीं'

इंदौर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव गोबर विवाद को लेकर आमने-सामने आ गए हैं। दरअसल, हाल ही में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ÷गोशाला में दुर्गंध÷ को लेकर एक बयान दिया था। इसके बाद अब मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने इशारों ही इशारों में निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि जिस भारतवासी को गोशाला में बदबू आती है, उसे देश में रहने का अधिकार नहीं है। बता दें कि अखिलेश यादव ने कन्नौज में कहा था, ''वे दुर्गंध पसंद करते हैं, इसलिए गोशाला बना रहे हैं। हम सुगंध पसंद कर रहे थे, इसलिए हम इत्र पार्क बना रहे थे।'' बता दें कि मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने शनिवार को इंदौर नगर निगम की एक गोशाला की नींव रखी। इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने इशारे में ही अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा, ''उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में गोपालन से जुड़े

परिवार से आने वाला एक व्यक्ति केवल वोट के चक्कर में कह रहा है कि उसे इत्र की खुशबू आती है और गोशाला में बदबू आती है। मुझे दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ेगा कि भारत में रहकर गोशाला में जिसको बदबू आए, उसको भारत में रहने का अधिकार नहीं है।''

इस मौके पर सीएम मोहन यादव ने दावा किया कि गाय के गोबर से आयुर्वेदिक औषधियां भी बन रही हैं। इसके अलावा यह कैंसर को भी मात दे सकता है। वहीं उन्होंने कहा कि इन दिनों कई परिवारों के लोग अपने बच्चों के जन्मदिन मनाने के लिए गौशालाओं में आ रहे हैं। इसके लिए गोशाला से अच्छा स्थान कौन सा हो सकता है। सीएम ने कहा कि गाय का गोबर जीवन रूपी अमृत है जिससे बनी खाद से गेहूं के चंद बीजों से हजारों बालियां फूट पड़ती हैं।

बता दें कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी के कन्नौज में गाय के गोबर को लेकर टिप्पणी की थी। इत्र नगरी कहे जाने वाले कन्नौज में अखिलेश यादव ने कहा था कि सीएम योगी के नेतृत्व में भाजपा सरकार यूपी में गोशालाएं बना रही है, क्योंकि उन्हें दुर्गंध पसंद है जबकि सपा की पिछली सरकार ने राज्य में ÷इत्र पार्क÷ स्थापित किए थे क्योंकि उसे खुशबू पसंद है।

हनुमान जयंती पर नागपुर में निकाली गई भव्य शोभा यात्रा

मुंबई (एजेंसी)। हनुमान जयंती के अवसर पर आज नागपुर में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। इस दौरान ऐतिहासिक राजाबाक्षा हनुमान मंदिर में 60 आकर्षक झांकियों के साथ 29वीं श्री हनुमान जन्मोत्सव शोभा यात्रा निकाली गई। भगवान हनुमान के मुख्य रथ के पीछे कई आकर्षक झांकियां थीं। इस झांकी में प्रमुख आकर्षण का केंद्र महाकुंभ, साई बाबा, कुम्भकरण, राम दरबार, बालाजी, शिव दरबार झांकियां रहीं। नागपुर के पुलिस आयुक्त रविंद्र सिंघल ने सबसे पहले हनुमान जी की पूजा की। इसके बाद रथ में विराजमान होने के बाद, जय श्री राम के जयघोष के साथ ही शोभा यात्रा नागपुर में निकाली गई, जिसकी भव्यता देखते ही बन रही थी। बता दें कि शोभा यात्रा शुरू होने से पहले मंदिर के गर्भगृह में अतिथियों के हाथों पूजा संपन्न कराया गया। इस दौरान हनुमान चालीसा का पाठ हुआ और भगवान की पूजा और आरती की गई, जिसके बाद भगवान हनुमान को रथ पर विराजमान कराया गया। पूजा के बाद हनुमान जी को नगर भ्रमण पर ले जाया गया। नागपुर में यह शोभा यात्रा जहां से निकलती, वहीं से हजारों लोग झांकियों के दर्शन करने के लिए उमड़ पड़ते। भगवान हनुमान के दर्शन के लिए सड़क के किनारे हजारों की संख्या में श्रद्धालु खड़े और जय हनुमान के जयघोष से पूरा नागपुर गूंज उठा। पुलिस ने शोभायात्रा के मद्देनजर जबरदस्त सुरक्षा का प्रबंध किया था।

'शराब माफियाओं से मिला हुआ है लालू यादव का पूरा परिवार'

बिहार के डिप्टी सीएम का बड़ा आरोप, कहा-

पटना (एजेंसी)। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के बयान को लेकर निशाना साधा और कहा, टिकट तो वे देते हैं, वह साफ दिखता है। हम लोग जानते हैं कि शराब माफिया को टिकट देने का काम तेजस्वी करते हैं। लालू प्रसाद यादव का परिवार ही पूरी तरह शराब माफियाओं से मिला हुआ है।

सम्राट ने कहा कि गोपालगंज, सीवान में दिए गए टिकट जैसे कई उदाहरण हैं। सम्राट ने बिहार चुनाव पर भी बयान दिया और कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव होंगे और बिहार में फिर से नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनेगी।

दरअसल तेजस्वी यादव ने अपने एक्स हैंडल पर बिहार सरकार पर निशाना साधा था और शराबबंदी को लेकर कुछ सवाल किए थे। तेजस्वी ने कहा था, %बिहार पुलिस और बिहार सरकार ने शराबबंदी को अवैध उगाही, तस्करी और भ्रष्टाचार का एक सशक्त उपकरण बना लिया है। शराबबंदी के नाम पर बिहार में 40 हजार करोड़ से अधिक के अवैध कारोबार यानी क्ब्यड्डुष्ब्म रूड्डह्म्द्मद्गह्ल अर्थात् काला बाजार की समानांतर अर्थव्यवस्था चल रही है।%

तेजस्वी ने ये भी कहा था, %शराबबंदी कानून के तहत अब तक 9 लाख 36 हजार 949 मुकदमें दर्ज किए गए हैं। इन मुकदमों में 14 लाख 32 हजार 837 लोगों की गिरफ्तारियां हुई है। इनमें से लगभग (14 लाख, 20 हजार 700 से अधिक लोग गरीब, दलित, पिछड़े और अतिपिछड़े वर्गों के है यानि 99त्न से भी अधिक)। बाकी बचे 1 प्रतिशत से कम गिरफ्तार लोगों में गैर दलित, गैर पिछड़ा/गैर अतिपिछड़ा और अन्य राज्यों के लोग हैं।%

तेजस्वी ने कहा था, इस सरकार की हैसियत और औकात नहीं कि ये बिहार में गैर दलित-ग़ैर पिछड़ा/गैर अतिपिछड़ा को शराबबंदी के नाम पर जेल में डाल दें क्योंकि वो सभी सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और धार्मिक रूप से सशक्त और प्रभावशाली है। इनका कानून बस गरीबों पर चलता है।

तमिलनाडु में भाजपा ने बदला प्रदेश अध्यक्ष

नयनार नागेंद्रन ने ली अन्नामलाई की जगह

मुंबई (एजेंसी)। तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी ने नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम का ऐलान कर दिया है। भाजपा विधायक नयनार नागेंद्रन को चेन्नई में पार्टी की बैठक के बाद भाजपा तमिलनाडु इकाई का अध्यक्ष घोषित किया गया। बता दें कि इससे पहले शुक्रवार को ही नयनार नागेंद्रन का नाम तमिलनाडु क्चछ्वक्क के नए अध्यक्ष के तौर पर सामने आ गया था। हालांकि आज पार्टी की बैठक के बाद इसपर औपराचिक रूप से मुहर लग गई है। भाजपा नेता अन्नामलाई ने ही नयनार नागेंद्रन के नाम का प्रस्ताव रखा था। बता दें कि विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा राज्य में अपनी पैठ बढ़ाने की कोशिश में लगी हुई है। बता दें कि शुक्रवार को अन्नामलाई ने नयनार नागेंद्रन के नाम का प्रस्ताव रखा था। वहीं नेताओं ने भी उनका अनुमोदन किया। इसके बाद नयनार नागेंद्रन ने अध्यक्ष पद के नामांकन के लिए पर्चा दाखिल किया। उनके खिलाफ किसी अन्य नेता ने पर्चा दाखिल नहीं किया था। ऐसे में नयनार नागेंद्रन का तमिलनाडु बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बनना तय हो गया था। हालांकि

इसकी औपचारिक तौर पर घोषणा आज शनिवार को की गई। इससे पहले चेन्नई में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों की एक बैठक भी की गई, जिसके बाद नयनार नागेंद्रन को तमिलनाडु बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष घोषित कर दिया गया।

कौन हैं नयनार नागेंद्रन?: बता दें कि नयनार नागेंद्रन भारतीय जनता पार्टी के नेता और तमिलनाडु की तिरुनेलवेली विधानसभा सीट से विधायक हैं। इससे पहले नागेंद्रन तमिलनाडु भाजपा के उपाध्यक्ष का पद संभाल रहे थे। इसके अलावा नयनार नागेंद्रन पूर्व में तमिलनाडु सरकार में मंत्री का पद भी संभाल चुके हैं। बता दें कि

दिल्ली में लाल किले पर शुरू हुआ 'विक्रमोत्सव 2025'

रेखा गुप्ता ने जताया मोहन यादव का आभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार जताते हुए दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के मंचन को लेकर शुभकामनाएं दीं। बता दें कि मध्य प्रदेश सरकार की ओर से दिल्ली के लाल किले पर विक्रमोत्सव 2025 के अंतर्गत इस कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। इस महानाट्य मंचन में 250 से यादा कलाकार हिस्सा ले रहे हैं और मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने भी इस महानाट्य कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। ये कार्यक्रम आज से शुरू होकर 14 अप्रैल तक चलेगा और इसमें विक्रमादित्य के समय के मुद्राओं और अंकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई है।

ये मेरा और दिल्ली का परम सौभाग्य है

इस मौके पर दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा मेरा भी और दिल्ली का भी परम सौभाग्य है आज ये दिन दिल्ली को देखने को

मिला। उन्होंने कहा, शौर्य और पराक्रम का प्रतीक सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य मंचन का कार्यक्रम यहां हो रहा है। उपराष्ट्रपति जी स्वयं यहां पधारे हैं यह हमारा सौभाग्य है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव को धन्यवाद और बधाई। उन्होंने दिल्ली वालों को ये मौका दिया कि हमारे इतिहास से रुबरू हो पाएं और सम्राट विक्रमादित्य के चरित्र को अपनी आंखो से इस नाट्य मंचन के कार्यक्रम को देख पाएं। इस कार्यक्रम का उद्घाटन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किया। कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद रहे।

विक्रमोत्सव 2025 में विक्रमादित्य कालीन मुद्राओं और मुद्राकों की प्रदर्शनी सहित अन्य प्रदर्शनियां भी होंगी। मध्य प्रदेश सरकार की तरफ से विक्रमोत्सव 2025 के अंतर्गत आयोजित यह कार्यक्रम भारतीय इतिहास और संस्कृति को जीवंत करेगा। महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य के साथ साथ लाल किले पर विक्रमादित्य और अयोध्या, विक्रमादित्य कालीन पुरातात्विक मुद्रा मुद्रांक, वृहत्तर भारत के सांस्कृतिक वैभव, मध्य प्रदेश में पर्यटन की संभावनाओं, प्रदेश में निवेश तथा रोजगार सृजन के अवसरों में लोक व्यापीकरण के प्रयासों पर केंद्रित प्रदर्शनियां भी लगाई जा रही हैं।

अंबेडकर की 134वीं जयंती धूमधाम से मनाएगी योगी सरकार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती धूमधाम से मनाने का फैसला किया है। सरकार द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक, 14 अप्रैल 2025 को अंबेडकर की जयंती सूबे में पूरे राजकीय सम्मान और गरिमा के साथ मनाई जाएगी। इस अवसर पर प्रदेश भर में भव्य समारोह, विचार गोष्ठियां

और श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इन आयोजनों को भव्य बनाने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और आम जनता की सहभागिता सुनिश्चित होगी।

अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या यानी 13 अप्रैल को प्रदेश के सभी पार्कों और स्मारकों में स्थापित महापुरुषों व राष्ट्रनायकों की प्रतिमाओं की विशेष साफ-सफाई कराई जाएगी। इस अभियान में स्थानीय जनता के साथ-साथ जनप्रतिनिधि, अधिकारी और कर्मचारी भी हिस्सा लेंगे। यह पहल बाबासाहेब के प्रति सम्मान और उनके योगदान को याद करने का एक प्रयास होगा। बता दें कि अंबेडकर की जयंती के अवसर पर 14 अप्रैल को पहले से ही सार्वजनिक अवकाश घोषित है। सरकार की कोशिश है कि अंबेडकर की जयंती पर होने वाले आयोजन उनके समता, न्याय और समरसता के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का भी माध्यम बनें।

डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम से बना मध्यप्रदेश का 25वाँ अभयारण्य

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल मार्गदर्शन में राज्य शासन ने सागर जिले के 258.64 वर्ग किलोमीटर आरक्षित वन क्षेत्र को मध्यप्रदेश का 25वाँ अभयारण्य घोषित करने की अधिसूचना जारी कर दी गयी। यह अभयारण्य डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम से जाना जायेगा। अभयारण्य के गठन से वन एवं वन्य-प्राणियों का संरक्षण एवं संवर्धन होगा। साथ ही पारिस्थितिकीय तंत्र में खाद्य श्रृंखला सुदृढ़ होगी और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे स्थानीय रोजगार के अवसर सृजित होंगे। डॉ. भीमराव अंबेडकर अभयारण्य सागर जिले के उत्तर सागर वन मण्डल तहसील बंडा एवं शाहगढ़ वन क्षेत्र के 25864 हेक्टेयर (258.64 वर्ग किलोमीटर) आरक्षित वन क्षेत्र की सीमा होगी।

बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व में दुर्लभ वन्य-प्राणी सोन कुत्ते पाये गये

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पतोर परिक्षेत्र की पनपता बीट में फील्ड स्टॉफ द्वारा गश्त के दौरान 12 सोन कुत्तों का झुण्ड देखा गया। क्षेत्र संचालक उमरिया ने बताया कि सोन कुत्ते अत्यंत दुर्लभ जीव हैं और किसी निश्चित स्थान पर न रहकर जंगलों में यहाँ-वहाँ झुण्ड में विचरण करते हैं। बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पारिस्थितिक तंत्र में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। क्षेत्र संचालक उमरिया ने बताया कि बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व की पतौर, मानपुर और धमोखर रेंज में कभी-कभी सोन कुत्तों का झुण्ड दिखायी देता है।

डर्मेटोलॉजिस्ट के बिना चल रहे स्किल क्लीनिक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राजधानी में बिना पंजीयन के संचालित हो रहे क्लिनिकों पर सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी ने टीम के साथ निरीक्षण कर उन्हें बंद करा दिया। इससे पहले मुख्यमंत्री मोहन यादव और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने अवैध रूप से संचालित क्लिनिक और अस्पताल पर कार्रवाई करने निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश मिलने के बाद एक्शन में आए सीएमएचओ डॉ तिवारी ने शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ शहर में संचालित क्लीनिक्स की जांच की गई। जांच के दौरान बिना पंजीयन चल रहे तथास्तु डेंटल, स्किन स्माइल क्लिनिक, द ऐस्थेटिक वर्ल्ड, कास्मो डर्मा स्किन एंड हेयर क्लिनिक के विरुद्ध कार्यवाही कर इनका संचालन बंद करवाया गया है। वहीं स्किन स्माइल क्लिनिक, कास्मो डर्मा स्किन एंड हेयर क्लिनिक में त्वचा रोगों एवं सौंदर्य समस्याओं का उपचार किया जाना पाया गया है, जबकि यहां पर डर्मेटोलॉजिस्ट पदस्थ नहीं है। निरीक्षण के दौरान क्लिनिक संचालकों द्वारा दल को आवश्यक दस्तावेज भी नहीं दिखाई जा सके। सीएमएचओ ने इन सभी क्लीनिक्स को नोटिस जारी कर संचालन तत्काल प्रभाव से बंद करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण में चिकित्सा व्यवसाय कर रहे व्यक्तियों की डिग्री, चिकित्सा पद्धति, काउंसिल का पंजीयन , मप्र उपचर्या गृह एवं राजोपचार संबंधी स्थापना अधिनियम, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम, गुमास्ता लाइसेंस की जांच की जा रही है।

विरासत, संस्कृति और परंपरा से जुड़ने का अवसर है सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य : मुयमंत्री दिल्ली गुप्ता

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा है कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का दिल्ली के लाल किले पर किये जाने वाला मंचन भारतवर्ष के महान, यशस्वी और दूरदर्शी शासक सम्राट विक्रमादित्य के प्रेरणादायक जीवन को पुनः जीवंत करेगा। यह उनके द्वारा सुशासन के क्षेत्र में स्थापित किये गये मानदण्डों से आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करता रहेगा।

मुख्यमंत्री श्रीमती गुप्ता ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर केन्द्रित महानाट्य का मंचन दिल्ली में किया जा रहा है, जो हर्ष और सौभाग्य का विषय है।

उन्होंने कहा कि इस महानाट्य के माध्यम से दिल्लीवासियों को अपनी विरासत, संस्कृति और परंपरा से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रसन्नता है कि 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा पर इतने बड़े आयोजन का उन्हें स्वागत अध्यक्ष बनाया गया है। मुख्यमंत्री श्रीमती गुप्ता ने दिल्ली के नागरिकों को लाल किले के माधव दास पार्क में 12 से 14 अप्रैल तक आयोजित होने वाले सम्राट

विक्रमादित्य महानाट्य को देखने के लिए आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री श्रीमती गुप्ता ने सम्राट विक्रमादित्य का पात्र निभाने वाले कलाकार श्री विक्रम सिंह चौहान की आरती उतारी, तिलक लगाया और पुष्पाहार पहना कर दिल्ली में स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्रीमती गुप्ता ने सम्राट विक्रमादित्य को रथ पर बैठा कर फतेहपुरी, चांदनी चौक से लाल किले तक भव्य शोभा यात्रा को रवाना किया।

शोभायात्रा में घोड़ों और ऊंट पर सवार सम्राट विक्रमादित्य के नवरत्न, सैनिक और नृत्य दल शामिल हुआ। शोभा यात्रा में सांस्कृतिक सलाहकार, मुख्यमंत्री कार्यालय, मध्यप्रदेश श्रीराम तिवारी, दीनदयाल शोध संस्थान दिल्ली के महासचिव श्री अतुल जैन, वरिष्ठ समाज सेवक सर्वश्री राहुल कोठारी, विष्णु मित्तल, नरेश शर्मा, राजेश कुशवाह सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। चांदनी चौक के विभिन्न व्यापारी संगठनों, किराना कमेटी दिल्ली, टेक्सटाइल मार्केट एसोसिएशन, बुलियन मर्चेंट एसोसिएशन, दिल्ली हिंदुस्तान मर्केंटाइल एसोसिएशन और दिल्ली इलेक्ट्रिकल ट्रेडर्स एसोसिएशन ने जगह-जगह शोभा यात्रा का स्वागत किया और रथ पर सवार सम्राट विक्रमादित्य पर पुष्प वर्षा की।

विद्यार्थी और पंजीकृत फार्मासिस्ट को डिजिटल, सुलभ सेवाओं के प्रदाय लिए मध्यप्रदेश सरकार संकल्पित-राज्य मंत्री

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित है कि हर विद्यार्थी और पंजीकृत फार्मासिस्ट को बिना किसी विलंब के डिजिटल, सुलभ और प्रभावी सेवाएं उपलब्ध हों।

राज्य मंत्री श्री पटेल ने मध्यप्रदेश स्टेट फार्मेसी काउंसिल, भोपाल कार्यालय का दौरा कर पंजीकरण प्रक्रिया की सम्पूर्ण कार्य प्रणाली का अवलोकन किया। पंजीकरण प्रक्रिया को सरल, सुगम, पारदर्शी एवं छात्र हितैषी बनाने के लिए प्राप्त किए सुझाव राज्य मंत्री श्री पटेल ने काउंसिल के अधिकारियों एवं स्टॉफ से संवाद कर पंजीकरण प्रक्रिया को और अधिक सरल, सुगम, पारदर्शी एवं छात्र हितैषी बनाने के संबंध में आवश्यक सुझाव प्राप्त किए। उन्होंने तकनीकी माध्यमों से प्रक्रिया को त्वरित और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। राज्य मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश में फार्मेसी के किसी भी छात्र एवं अभ्यर्थी को पंजीकरण में अनावश्यक परेशानी न हो और सभी प्रक्रियाएं पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से संचालित हों इसके लिए प्रभावी प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य शिक्षा और पंजीकरण से जुड़ी संस्थाओं में निरंतर सुधार और नवाचार के माध्यम से ही छात्र हितों की रक्षा की जा सकती है।

प्रदेश में निराश्रित गौ-वंश के पालन के लिए निजी भागीदार से होगा वृहद गौ-शालाओं का निर्माण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में निराश्रित गौ-वंश के पालन के लिए निजी भागीदार से वृहद गौ-शालाओं के निर्माण की योजना बनाई गई है। साथ ही पशुपालन एवं डेयरी गतिविधियों को बढ़ावा देकर रोजगार के नवीन अवसर बढ़ाने, उत्पादकता बढाने और किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे। इसी उद्देश्य से राज्य मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश राज्य में स्वावलंबी गौ-शालाओं की स्थापना नीति-2025 स्वीकृति दी गई है। गौ-शालाओं को पशु चारे और आहार के लिए दी जाने वाली अनुदान राशि को भी 20 रुपये प्रति गौवंश प्रति दिवस से बढ़ाकर 40 रूपये प्रति गौवंश प्रति दिवस किये जाने का निर्णय लिया गया है। पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल ने कहा है कि प्रदेश में गौ-संवर्धन और गौ-संरक्षण की दिशा में ये महत्वपूर्ण कदम होंगे। निजी भागीदारी से स्वावलंबी वृहद गौ-शालाओं के निर्माण से निराश्रित गौ-वंश का समुचित पालन-पोषण हो सकेगा। मध्यप्रदेश राज्य में स्वावलंबी गौ-शालाओं की स्थापना नीति-2025 के अंतर्गत पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा निजी पूंजी निवेशकों को निराश्रित गोवंश के प्रबंधन एवं उससे संबंधित वाणिज्यिक गतिविधियों के संचालन के लिए वृहत गौशालाओं की स्थापना कर स्वाबलंबी मॉडल बनाने के लिए शासकीय भूमि के उपयोग के अधिकार दिए जाएंगे। नीति में न्यूनतम 5000 गौ-वंश पालन के लिए अधिकतम 125 एकड़ भूमि दी जाएगी। इसके बाद 1000 गोवंश क्षमता में वृद्धि पर 25 एकड़ अतिरिक्त भूमि दी जाएगी। गोबर, गोमूत्र व दूध से विभिन्न उत्पादों के निर्माण की परियोजना के लिए अधिकतम 5 एकड़ अतिरिक्त भूमि भी दी जा सकेगी। मंत्री श्री पटेल ने बताया कि नीति के अनुसार इन गौ-शालाओं में कम से कम 70त्न गौ-वंश निराश्रित, अशक्त, गैर दुधारू गोवंश होना चाहिए। गोपालक संस्था से चाहे तो परियोजना में अधिकतम 30त्न उत्पादक दुधारू नस्ल का गोवंश रख सकेगी। परियोजना के संचालन के लिए किसी भी फर्म, समिति, न्यास, पंजीकृत कंपनी अथवा उक्त में से दो या दो से अधिक के संघ को पात्रता होगी।

राशन हितग्राही 30 अप्रैल तक ई-केवायसी करा ले-खाद्य मंत्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने राष्ट्रीय खाद्य, सुरक्षा अधिनियम के पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी 30 अप्रैल तक विशेष अभियान चलाकर करने के निर्देश दिये हैं। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत 543.31 लाख पात्र हितग्राहियों में से शेष 108.27 लाख हितग्राहियों की ई-केवायसी 30 अप्रैल तक पूर्ण करने के निर्देश भारत सरकार द्वारा प्राप्त हुए हैं। समय-सीमा में समस्त पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी न होने पर हितग्राहियों को खाद्यान्न प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है। इसलिये समस्त पात्र हितग्राहियों के ई-केवायसी समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि 9 अप्रैल से 30 अप्रैल तक प्रदेश में ई-केवायसी कराने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। विशेष अभियान में ई-केवायसी से शेष रह गये सभी पात्र हितग्राहियों की सूची पीओएस मशीन, स्थानीय निकाय, जेएसओ लॉगिन पर उपलब्ध कराई गयी है। उन्होंने बताया कि विशेष अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा नगरीय प्रशासन विभाग के स्थानीय अमले का सहयोग लिया जा रहा है। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा है कि अभियान में हितग्राहियों की ई-केवायसी ग्रामवार एवं मुहल्लेवार कैंप लगाकर की जाये। ई केवायसी करने गठित दलों को ग्राम अथवा मोहल्ले की सभी हितग्राहियों की ई-केवायसी करने के बाद ही अन्य ग्राम या मोहल्ले में कैंप आयोजित किये जाये। ई-केवायसी के दौरान परिवार के किसी सदस्य की मुत्यु होने, स्थायी रूप से प्रवास पर जाने एवं डुप्लीकेट होने पर एम राशन मित्र पोर्टल पर स्थानीय निकाय के लॉगिन से विलोपन हेतु प्रविष्टि की जाएगी।

मंत्री श्री पटेल ने ग्राम रीछई में किया विभिन्न कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने करेली जनपद पंचायत रीछई में लगभग 50 लाख रुपए की लागत के आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केन्द्र, दाने दादा से मृगेन्द्रनाथ धाम की ओर सुदूर सड़क, सामुदायिक भवन एवं आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक दो का लोकार्पण और खेल मैदान समतलीकरण सीढ़ी एवं रिटर्निंग वॉल निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

मंत्री श्री पटेल कहा कि आज श्री मृगेंद्रनाथ धाम आने का अवसर मिला है। यह धाम बहुत प्राचीन है।यहाँ से गहरा नाला का उद्गम हुआ है जो नर्मदा नदी में जाकर मिलता है। जिले में ऐसी बहुत कम नदियाँ है, जो नर्मदा में समाहित होती है। इस संबंध में उन्होंने सागर जिले के केसली जनपद के खैरी गांव का उल्लेख करते हुए बताया कि यह दो नदियों सुनार और सिंदूर का उद्गम स्थल है।मंत्री श्री पटेल ने बताया कि उनके गुरु परम पूज्य श्री श्री बाबा श्री जी ने कहा था कि नदी का उद्गम ऊर्जा और नदी का संगम जीवन देता है। हमने अपने लालच के लिए जल का दोहन तो किया है लेकिन उसके संचयन के लिए ध्यान नहीं दिया।

पशुपालन राज्य मंत्री श्री पटेल ने किया पुंगनूर संरक्षण एवं अनुसंधान केन्द्र, पालमनेर का भ्रमण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल ने विगत दिनों आंध्रप्रदेश के पुंगनूर संरक्षण एवं अनुसंधान केन्द्र, पालमनेर, जिला चित्तूर का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रमुख रूप से पुंगनूर नस्ल की गायों के पालन पोषण के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा मध्यप्रदेश में इसके पालन की संभावनाओं को तलाशा। गायों की यह नस्ल अपने छोटे आकार, कम रखरखाव और तुलनात्मक रूप से अच्छी दूध देने वाली नस्ल के लिए जानी जाती है।भ्रमण में मंत्री श्री पटेल द्वारा अनुसंधान केन्द्र के संचालक एवं उपस्थित अन्य अधिकारियों से पुंगनूर नस्ल के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने पालमनेर भेड़ प्रजनन केन्द्र का निरीक्षण भी किया। पालमनेर भेड़ प्रजनन एवं संरक्षण केन्द्र में नेल्लोर प्रजाति की नस्ल का संवर्धन एवं संरक्षण किया जा रहा है। भ्रमण के दौरान उनके साथ पशुपालन एवं म.प्र. कुक्कुट विकास निगम के अधिकारी भी उपस्थित थे। पशुधन अनुसंधान केंद्र, पालमनेर, आंध्र प्रदेश मुख्य रूप से गायों की पुंगनूर नस्ल को सुधारने और पुनर्जीवित करने का कार्य करता है। यह गाय दुनिया की सबसे छोटी नस्लों में से एक है और मूलतः चित्तूर जिले की प्रजाति है। इस अनुसंधान केंद्र को वर्ष 1967 में पशुपालन विभाग से आंध्रप्रदेश कृषि विश्वविद्यालय को स्थानांतरित कर दिया गया। इस केंद्र पर मूल रूप से पुंगनूर नस्ल के मवेशी हैं। इस नस्ल को यूनाइटेड किंगडम से आयातित केरी बैलों के साथ क्रॉस किया गया था। इन संकर नस्लों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और इस क्षेत्र के कृषक समुदाय के बीच लोकप्रिय हो गईं, क्योंकि इनकी दूध की पैदावार बहुत अधिक थी। बाद में, केंद्र को एक मॉडल प्रदर्शन इकाई के रूप में काम करने और पुंगनूर मवेशियों के जर्मप्लाज्म, नेल्लोर भेड़ जोड़ी आदि के बेहतर प्रजनन स्टॉक की आपूर्ति करने के लिए कम्पोजिट पशुधन फार्म के रूप में विकसित किया गया।

स्त्री शिक्षा की नींव रखने में ज्योतिबा फुले का अतुलनीय योगदानः राज्यमंत्री गौर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने समाज में फैली कुरीतियों से लड़ने के लिए आंदोलन भी चलाया था। देश में स्त्री शिक्षा की नींव रखने और छुआछूत के खिलाफ अलख जगाने में उनका उल्लेखनीय योगदान है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर शुक्रवार को भोपाल में सात नंबर बस स्टॉप ज्योतिबा फुले चौराहे पर मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर ने कहा कि

भारतीय समाज को सशक्त बनाने तथा महिला शिक्षा की अलख जगाने में ज्योतिबा फुले का योगदान युगों-युगों तक याद किया जाएगा।

श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि अंग्रेजों की हुकूमत जब इस देश में चारों तरफ देश की जनता को गुलामी की बेड़ियों में जकड़े हुए थी तब ज्योतिबा फुले ने कहा था की शिक्षा का स्तर इस प्रकार से होना चाहिए की शिक्षा का प्रकाश समाज के कोने-कोने तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि हम सब को इस बात का संकल्प लेना होगा कि शिक्षा हर एक व्यक्ति का मौलिक अधिकार है और हर एक व्यक्ति को शिक्षा मिलनी ही चाहिए। श्रीमती गौर ने कहा कि ज्योतिबा फुले ने हमारे सामाजिक ढांचे की जड़ को हिलाकर उसमें सामाजिक चेतना का संचार करने का काम किया था। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार लगातार दलितों, पिछड़ों को शिक्षा की दृष्टि से आगे बढ़ाने के लिए योजनाओं का संचालन कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार पिछड़े वर्गों को शिक्षित करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। कार्यक्रम में भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय, सांसद श्री आलोक शर्मा, विधायक श्री भगवान दास सबनानी, माली समाज के अध्यक्ष श्री जी.पी. माली सहित संयुक्त माली, सैनी, मुरार समाज के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

स्कूल शिक्षा विभाग का स्पोटर्स मैनेजमेंट सिस्टम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा विभाग ने एजुकेशन पोर्टल की तर्ज पर समूचे प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं को डिजिटल प्लेटफार्म पर शिफ्ट करते हुए पेपरलेस बनाया है। विभाग का यह एक अभिनव प्रयोग है, जो खेलों की पारदर्शी प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिये महत्वपूर्ण कदम है।

मध्यप्रदेश में शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित मान्यता प्राप्त एमपी बोर्ड के समस्त विद्यालय, सीबीएसई के ऐसे विद्यालय, जो स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के एवं स्कूल शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताओं में शामिल होना चाहते हैं, वे इस पोर्टल पर निश्चित पंजीयन शुल्क के साथ आवश्यक अभिलेख अपलोड करते हुए पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन 14 से 19 वर्ष से कम आयु वर्ग की प्रतियोगिता के लिये एक ही बार कराना होगा। सिस्टम में प्रति वर्ष आवश्यकतानुसार अपग्रेड किये जाने की सुविधा प्रदाय की गई है। विद्यालय में अध्ययन कर रहे नियमित खिलाड़ियों की दर्ज संख्या के मान से निर्धारित खेल शुल्क का संकलन इसी पोर्टल के माध्यम से किया जा सकेगा, जो स्वतः ही संचालनालय, संयुक्त संचालक संभाग और जिला शिक्षा अधिकारी के खाते में शासन द्वारा निर्धारित प्रतिशत अनुसार अंतरित हो जायेगा। यह सिस्टम खेलों में निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं खिलाड़ियों की आयु के बारे में प्रमाणीकरण के साथ अपात्र खिलाड़ी को किसी भी स्तर पर प्रतियोगिता में शामिल होने से रोकता है। स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत अधिकारी शिक्षक संवर्ग कर्मचारी एवं व्यायाम शिक्षकों के जिला स्तर से राज्य स्तर की विभागीय खेल-कूद प्रतियोगिता नियमित रूप से की जा रही है। विभागीय प्रतियोगिताओं में क्रिकेट (लेदर बॉल), वालीबॉल, कबड्डी, बेडमिंटन, टेबल टेनिस और एथलेटिक्स (महिला-पुरूष) खेल शामिल हैं। उक्त प्रतियोगिता में जिले से राज्य स्तर की प्रतियोगिता चयन प्रक्रिया में टीम चयन तक करीब 8 हजार स्कूल के विद्यार्थी सहभागिता करते हैं।

इस प्रक्रिया में मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी प्राप्त हुए हैं।

जन-जन के जीवन से जुड़ा जल गंगा संवर्धन अभियान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा सवंर्धन अभियान 30 मार्च से प्रारंभ किया है जो कि 30 जून तक संचालित होगा। यह अभियान जन-जन के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। आगामी तीन माह तक जल गंगा संवर्धन अभियान सतत चलेगा। अभियान के अंतर्गत जहां एक ओर नये तालाब बनाये जायेंगे, वहीं दूसरी ओर पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। साथ ही वृक्षारोपण भी किया जा रहा है। नदियों को साफ-स्वच्छ एवं जल एकत्रित करने के लिए भी कार्य किए जा रहे हैं। जनप्रतिनिधि, समाजसेवियों, गणमान्य नागरिकों, स्कूली विद्यार्थियों, शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया श्रमदान जनप्रतिनिधि हो, समाजसेवी हो, आम नागरिक हो, विद्यार्थी हो या शासकीय अधिकारी-कर्मचारी हो सभी मिलकर जल गंगा संवर्धन अभियान में कंधे से कंधा मिलकर कार्यों को अंजाम दे रहे हैं। यह दृश्य बुरहानपुर जिले की नगर परिषद शाहपुर में चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के दौरान अमरावती नदी की साफ-सफाई एवं श्रमदान कार्यक्रम में देखने को मिला।

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित हुई जिले में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा बैठक

नलजल की खराब मोटर 24 घंटे में सुधारकर पानी की व्यवस्था करें, हैण्डपंपों के सुधार के लिए हर ब्लाक में टीम तैनात करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में विधानसभा क्षेत्र सेमरिया, विधानसभा क्षेत्र सिरमौर तथा विधानसभा क्षेत्र गुढ़ में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि जल स्तर घटने तथा अन्य कारणों से कई बसाहटों में अभी से पेयजल आपूर्ति में कठिनाई हो रही है। गर्मी बढ़ने के साथ पेयजल समस्या बढ़ेगी कार्यपालन यंत्री पीएचई और जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी समन्वय बनाकर हर गांव में पेयजल की समुचित व्यवस्था कराएं। खराब हैण्डपंपों के सुधार तथा बंद नलजल योजनाओं में सुधार के लिए प्रत्येक विकासखण्ड में टीम तैनात करें। किसी भी क्षेत्र से सूचना मिलने पर यह टीम तत्काल कार्यवाही करके पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करे। नलजल योजनाओं की मोटर यदि जल गई है तो उसे 24 घंटे में बदलकर पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करें। खराब हैण्डपंपों के सुधार का अभियान चलाएं।

सांसद ने कहा कि एकल नलजल योजना की सतत निगरानी करें। जो नलजल योजना ग्राम पंचायत को हैण्डओवर हो गई हैं उन्हें चलाने में पीएचई विभाग ग्राम पंचायतों को सहयोग करे। जिन गांवों में अभी टंकी का निर्माण पूरा नहीं हुआ है वहाँ स्पाट सोर्स अथवा सम्पवेल के माध्यम से पानी की आपूर्ति कराएं। कई स्थानों में पेयजल आपूर्ति के लिए सोलर पंप लगाए गए थे। इनमें से अधिकांश पंप खराब हो गए हैं। इनमें बिजली की मोटर लगाकर पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करें। बैठक में विधायक गुढ़ श्री नागेन्द्र सिंह ने कहा कि गुढ़ विधानसभा क्षेत्र के पहाड़ी क्षेत्र में पेयजल का संकट है। इस पूरे क्षेत्र में पानी की आपूर्ति के लिए तत्काल व्यवस्था करें। क्षेत्र भ्रमण के दौरान मैं नलजल योजनाओं का सत्यापन करूंगा। पीएचई के अधिकारी दौरे के समय उपस्थित रहकर नलजल योजनाओं की वस्तुस्थिति से अवगत कराएं। जिन हैण्डपंपों का जल स्तर नीचे हो गया है उनमें तत्काल राइजर पाइप लगवाएं। प्रत्येक पेयजल समस्यामूलक ग्राम पंचायत में तत्काल सिंगल फेज मोटर की व्यवस्था कराएं। इन पंचायतों में 15वें वित्त आयोग मद से जहाँ पानी उपलब्ध हो वहाँ ग्राम पंचायतों के सहयोग से बड़ी टंकी रखवाकर पानी की व्यवस्था कराएं। बड़े गांवों में एक से अधिक स्थानों में टंकी रखवाएं।

बैठक में विधायक सेमरिया श्री अभय मिश्रा ने कहा कि विधायक निधि से स्वीकृत 36 हैण्डपंपों का तत्काल उत्खनन कराएं। सेमरिया विधानसभा क्षेत्र में पिछले 6 माह में जो हैण्डपंप सुधारे गए हैं उनकी सात दिवस में सूची प्रस्तुत करें। खराब हैण्डपंपों में सुधार का कार्य नहीं किया जा रहा है, जिससे आमजनता परेशान है। विधायक निधि और सांसद निधि से स्थापित हैण्डपंपों में भी राइजर पाइप पीएचई विभाग लगाए। बैठक में विधायक सेमरिया ने पीएचई विभाग द्वारा वित्तीय अनियमितता तथा पीएचई विभाग के कर्मचारी के निलंबन का भी मामला उठाया। विधायक ने एकल नलजल योजनाओं, समूह नलजल योजनाओं के निर्माण में ठेकेदारों द्वारा की जा रही लापरवाही का भी मुद्दा उठाया। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल ने कहा कि जवा विकासखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र में पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करें। ग्राम पंचायत चौर, कुशमेदा तथा भौंती में पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। विधायक प्रतिनिधि सिरमौर श्री भूपेन्द्र सिंह ने विधानसभा क्षेत्र में पेयजल से जुड़ी समस्याओं के निदान के लिए तत्परता से कार्यवाही का आग्रह किया।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि सभी ग्राम पंचायतों में टैंकर भरकर रखने के निर्देश दिए गए हैं। नलजल योजनाओं के संचालन तथा खराब हैण्डपंपों के सुधार के लिए जनपद पंचायत पीएचई विभाग के साथ मिलकर लगातार प्रयास कर रहा है। 15वें वित्त आयोग की राशि से भी पंचायतों में पेयजल की व्यवस्था की जा रही है। ग्राम पंचायतों की बिजली बिलों की लंबित राशि का भुगतान भोपाल स्तर से ही विद्युत वितरण कंपनी को कर दिया गया है। बैठक में कार्यपालन यंत्री पीएचई संजय पाण्डेय ने बताया कि रीवा जिले में 21622 हैण्डपंप स्थापित हैं। इनमें से वर्तमान में 2430 बंद हैं। जल स्तर घटने के कारण 1172 हैण्डपंप बंद हैं। इनमें राइजर पाइप और सिंगल फेज मोटर लगाकर पेयजल की आपूर्ति के प्रयास किए जा रहे हैं। जिले में 343 एकल नलजल योजनाएं हैं। इनमें से 293 से पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। शेष बंद नलजल योजनाओं को ग्राम पंचायतों के सहयोग से विभागीय संविदाकार चालू करने का प्रयास कर रहे हैं। जिले में 195 नलजल योजनाएं ग्राम पंचायतों द्वारा सफलतापूर्वक संचालित की जा रही हैं। सेमरिया विधानसभा क्षेत्र में हैण्डपंप उत्खनन का कार्य शुरू कर दिया गया है। पेयजल व्यवस्था के निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने पर निर्माण एजेंसियों को ब्लैकलिस्टेड किया गया है तथा दो का ठेका निरस्त करके नई एजेंसी को कार्य दे दिया गया है।

बैठक में जल जीवन मिशन के जल प्रबंधक चित्रांशु ने बताया? कि कंदैला समूह नलजल योजना से सौ से अधिक गांवों में पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। रायपुर कर्चुलियान में जहाँ तक पाइपलाइन पहुंच गई है वहाँ पानी की आपूर्ति शीघ्र की जाएगी। नलजल योजनाओं का 10 वर्षों तक रखरखाव इसे बनाने वाले ठेकेदार करेंगे। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, सीईओ जवा राहुल पाण्डेय, सीईओ सिरमौर हरिशचन्द्र द्विवेदी, सीईओ रायपुर कर्चुलियान संजय सिंह, कार्यपालन यंत्री मैकेनिकल डीएल कनेल तथा सभी सहायक यंत्री एवं उपयंत्री उपस्थित रहे।

श्री हनुमान जन्मोत्सव पर रक्तवीरों ने किया रक्तदान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिस प्रकार श्री हनुमान जी ने जंगल से जड़ी बूटी लाकर भगवान प्रभु श्रीराम के अनुज लक्ष्मण जी के प्राणों की रक्षा की थी उसी प्रकार श्री हनुमान जन्मोत्सव पर रक्तवीरों ने जिला अस्पताल में भर्ती जरूरत मंदों को अपना खून देकर उनको नयाजीवन देने का प्रयास किया।

उल्लेखनीय है समिति पिछले कई वर्षों से संस्थाध्यक्ष विनोद गेलानी के सानिध्य में रक्तदान जीवनदान की अलख ज्योति जलाकर इंसानियत का धर्म निभाते मानवता की सेवा कर रही है

संस्था के मंत्री संजय वाधवानी ने जानकारी देते हुए बताया 12 अप्रैल शनिवार को युवा समाजसेवी रिकी सिरवानी एवं इंजमामुक हक ने रक्तदान कर इंसानियत का सच्चा धर्म निभाया। रक्तदान करवाने में मनीष सदानी एवं संजय आहूजा जी का विशेष सहयोग रहा।

रक्तवीरो के रक्तदान करने पर संस्था के संरक्षक मंडल के श्री गोपी गेलानी श्रीचंद मनवानी मनोहर डिगवानी अध्यक्ष विनोद गेलानी ज्ञान खटवानी श्रीचंद शीतलानी घनश्याम मंघरानी संजय वाधवानी महेश रावलानी गंगाराम सचदेव दिलीप सोनी अमित कामरानी जी,डी जसवानी रंजीत सेनानी जितेंद्र गावरी गोपीचंद कापड़ी कमल पुरस्वानी अशोक पिन्जाड़ी सुधीर आहूजा विजय जग्यासी अशोक चांदवानी बसंत खत्री दीपक वाधवानी केशव मखीजा राजेश कोटवानी राजकुमार साधवानी मनीष टेकवानी पंकज आहूजा ओम सोनेजा विष्णु जानवानी महेश जानवानी मनीष सदानी बंटी भोजवानी मनोज सुखदानी सहयोगी आशीष मोगिया निक्की मनचंदानी विशाल राजपाल संजय आहूजा बंसी नागदेव महिला मंडल से मोना चोपड़ा राखी होतचंदानी डॉ. मनीषा सोई डॉक्टर विद्या पांडे,आर्य खिलवानी मुस्कान चंदानी सिमरन होतचंदानी निशा गोयल आभा सिंह जया जायसवाल रशिम जैन अनामिका सोनी ने रक्तदाता को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है

नगर परिषद डभौरा में मनाई जाएगी डॉ. भीम राव अम्बेडकर की जयंती

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हमारे देश में हर साल 14 अप्रैल के दिन डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई जाती है। साल 1891 में जन्मे अंबेडकर न केवल भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माता थे, बल्कि स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री, न्यायविद द्य, अर्थशास्त्री और समाज सुधारक भी थे. ऐसे में हर साल उनकी जयंती को पूरे देश में पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया जाता है। इसी कड़ी में इस बार नगर परिषद डभौरा में भी भीम जयंती बनाने को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। 14 अप्रैल 2025 को डॉ. अंबेडकर की 135वीं जयंती है।

तथा अंबेडकर जयंती पर अलग-अलग स्थानों पर रैलियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होना है. स्कूल, कॉलेज और सरकारी संस्थानों में उनके विचारों पर चर्चा भी की जाएगी। साथ ही लोग अंबेडकर की मूर्तियों पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे हैं। जिसके तहत डभौरा नगर परिषद में भी आंबेडकर जयंती का उत्सव मनाया जा रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे सेवानिवृत्ति व्याख्याता राम दास अहिरवार जी मौजूद रहेंगे वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप मे मान बहादुर सिंह[सेवा निवृत्त व्याख्याता] की उपस्थिति होगी। इसके अलावा जगमोहन यादव [सेवानिवृत्ति डिप्टी रेंजर], सुरेंद्र नाथ माझी [से.निवृत्त जेलर] रामलाल वर्मा [से नि. प्राचार्य], जगन्नाथ अहिरवार [से. निवृत प्रधानाध्यापक] बैजनाथ वर्मा, ऊषा सिंह यादव, सिया दुलारी आदिवासी [समाजसेविका) रामकृपाल प्रजापति, किरण आदिवासी, आसमा रचना आदिवासी विभा वर्मा, राम नरेश यादव, मुकेश वर्मा, अनुज वर्मा, छोटे लाल धूलिया, दिलीप कोल, अरविंद कोल, राजेश वर्मा आदि मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही कार्यक्रम का संचालन राम सिया वर्मा आईटीआई प्राचार्य मऊगंज द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए युवा समाज सेवी विजय वर्मा ने अपील की है की अधिक से अधिक लोग पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

जवा तहसील की मूलभूत समस्याओं को लेकर कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

मांगो को लेकर जवा एसडीएम के नाम तहसीलदार को सौंपा गया ज्ञापन।

मांगे पूरी नहीं होने पर 24 अप्रैल को किया जाएगा उग्र आंदोलन

मीडिया ऑडीटर, जवा (निप्र)। रीवा जिला अंतर्गत जवा तहसील बीते 10 वर्षों से उपेक्षा का शिकार बनता जा रहा है लेकिन चुने हुए जनप्रतिनिधियों के द्वारा ध्यान नही दिया जा रहा है जिनकी समस्याओ को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जवा के तत्वाधान में आज सुवह 11 बजे से जवा चौराहे में चक्काजाम किया गया। उस दौरान कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश सरकार के भ्रष्टाचार,बेरोजगारी, महंगाई, अपराध, नशा को लेकर आड़े हाथों लेते हुए जमकर प्रहार किया।

उनकी मांगों में जवा ब्लॉक अंतर्गत खराब पड़े हजारों हैंड पम्पो को बनवाया जाय। जल जीवन मिशन में कार्य कर रही हृष्टष्ट कम्पनी के घटिया निर्माण कार्य की जांच करायी जाय क्योंकि हृष्टष्ट कंपनी के द्वारा बिना अनुमति के नेशनल हाइवे और ग्रामीण सड़को को काटकर नष्ट किया जा रहा है जिनके भ्रष्टाचार की एवं कार्यों की जांच कराई जाए।

इसके साथ ही मादक पदार्थों की अघोषित मंडी बने जवा बाजार, ऊंचाडीह, बाबा की बरौली, इटौरी, भक्ता टोला, बरौली ठकुरान,खरपटा, झलवा, गाढ़ा 138,पथरौड़ा सहित पूरे जवा तहसील के सभी गांवों में जो शराब एवं अन्य नशा की बिक्री जोरो पर है परंतु शिकायत के बावजूद भी संबंधित थाना प्रभारियों के द्वारा ध्यान नही दिया जा रहा है उस पर रोक लगाई जाय।

इसी तरह से बीआरसी कार्यालय जवा में मेंटेनेंस एवं कंटेंजेंसी राशि में कमीशन खोरी की जांच करने तथा जवा अस्पताल में प्रसूति सहायता,अटैच किए गए वाहन, रोगी कल्याण समिति की राशि एवं मेंटेनेंस के नाम पर किए गए भ्रष्टाचार की जांच एवं बिजली विभाग द्वारा मनमानी बिजली बिल देना एवं जनपद पंचायत कार्यालय जवा में की जा रही वित्तीय अनियमितता का खुलासा किया जाए और तहसील कार्यालय जवा में मनमानी तरीके से अधिकारियों की अनुपस्थिति आये दिन देखने को मिलती है आदि मुद्दों को लेकर एसडीएम जवा के नाम तहसीलदार जवा को ज्ञापन सौंपा गया। साथ ही चेतावनी दी गयी कि यदि निर्धारित समय पर मांगे पूरी नही हुई तो 24 अप्रैल को उग्र आंदोलन करेंगे। उस दौरान मुख्य रूप से पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. अरुण तिवारी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता बृजेन्द्र पांडेय, अरुणेंद्र शेखर मिश्रा, चक्रधर सिंह, जवा ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष धनेंद्र द्विवेदी, शिव बालक पांडेय,डभौरा ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष अरुण सिंह पिंटू, रामनरेश तिवारी, धनेंद्र पांडेय नत्थू, तरुणेंद्र द्विवेदी,रामप्रभाव विश्वकर्मा, मो. कादिर, सिया दुलारी विश्वकर्मा, रामू दुबे, जियामुद्दीन खान पप्पू, बालेन्द्र मिश्रा,किशोर कुमार तिवारी सहित विधानसभा सिरमौर के अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता, ब्लाक मंडलम, सेक्टर, बीएलए सहित आम जन मानस मौजूद रहे।

सिन्धी पारिवारिक मूवी का वरदान 3 का समापन शीघ्र

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मात्रभाषा एवं संस्कार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनी सिन्धी पारिवारिक मूवी वरदान 3 का समापन शीघ्र किया जाएगा उल्लेखनीय वरदान 3 पिछले 4 अप्रैल से संचालन हो रहा है जिसमें संत समाज ब्राह्मण समाज के साथ-साथ समाजसेवी एवं मातृशक्ति ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। समिति के गुरमुख पंजवानी ने बताया वरदान 3 का समापन शीघ्र किया जाएगा।

आयोजक मंडल के रूपेश वलेचा एवं संजय खिलवानी ने बताया यह मूवी सिन्धी भाषा के वाधारे एवं सामाजिक एकता भाईचारे का प्रतीक है निश्चित ही इस मूवी से आज की युवा पीढ़ी प्रेरित होकर अपनी मातृभाषा संस्कार को बढ़वा देगी।

जितेंद्र साबनानी ने जानकारी दी इस मूवी में श्री झूलेलाल मंदिर एवं लोकप्रिय गायक राजेश कोटवानी की मधुर आवाज में दो गीतों की भी प्रस्तुति दी गई है।

राजेश कोटवानी मनोज नोतानी अमित भावनानी राखी होतचंदानी ज्योति मनवानी श्री गोपी गेलानी श्रीचंद मनमानी श्री राजलदास आडवाणी श्री अशोक चांदवानी मनोहरलाल भोजवानी जेठानंद वाधवानी मनोहर वाधवानी मनोहर डिगवानी अशोक वाधवानी विनोद गेलानी पृथ्वी आयलानी मनोहर आरतानी मनोहर शुगानी संजय आहूजा अजय सुखरामनी मनोज वलेचा सुधीर आहूजा संजय सेनानी केशव माखीजा जय होतचंदानी, अनिल धनवानी महेश गांधी घनश्याम मंघरानी संजय वाधवानी,मोहन वलेचा भारत कामदार ममू वासवानी इंद्रलाल कापड़ी इंद्रलालआडवाणी कमल पुरुस्वानी कमल कापड़ी ने समाज की माता बहनों भाइयों से परिवार सहित मूवी देखने का आग्रह किया है।

दीवार लेखन के माध्यम से दिया जा रहा जल संरक्षण का संदेश

मीडिया ऑडीटर, जवा (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान से प्रत्येक आमजन को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान के तहत जल संरक्षण के निर्माण कार्यों के साथ-साथ लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। इस संबंध में जन अभियान परिषद के संभागीय समन्वयक प्रवीण पाठक ने बताया कि जन अभियान परिषद से जुड़ी नवांकुर स्वैच्छिक संस्थाएं दीवार लेखन के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दे रही हैं। विकासखण्ड जवा की विभिन्न ग्राम पंचायतों में मंगल युवा कल्याण समिति ऊंचाडीह के द्वारा दीवार लेखन के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है।

शेर सिंह राणा ऐसा चेहरा, जो आज तक सरकार न कर सकी उन्होंने किया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शेर सिंह राणा ऐसा चेहरा, जो आज तक सरकार न कर सकी उन्होंने किया, भारतीय राजनीति में हिंदुत्व के प्रखर शख्स , 14 अप्रैल को सतना की धरती में रहेंगे मौजूद शेर सिंह राणा जिनका असली नाम पंकज सिंह पुंडीर है जिनका जन्म 17 मई 1976 के दिन रुड़की उत्तराखंड में हुआ था उनके जीवन संगिनी का नाम प्रतिमा सिंह है, भारत का एक ऐसा नायक है जिसने अपने जीवन की परवाह न करते हुए इस जिंदगानी में नायक और खलनायक दोनों का कार्य किया है और हिंदुत्व को स्थापित करने में अपना सर्वस्त्र दिया है क्योंकि जिस प्रकार से वह डकैत से सांसद बनी फूलन देवी की हत्या के आरोप में तिहाड़ जेल में बंद थे और वहां से रहस्यमय तरीके से फरार होकर अफगानिस्तान से भारत के अंतिम हिंदू शासक पृथ्वीराज चौहान की अस्थियां लेकर लौटे और अपना संकल्प पूरा करते हुए पूरे भारत का गौरव वापस लौटाया, वह बात अलग है कि फिर बाद में उन्हें दोबारा कोलकाता में अरेस्ट कर लिया गया यह सब प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है परंतु इतना जरूर है कि उनका साहस और पराक्रम देखकर यही प्रतीत होता है कि यह भारत देश का असली योद्धा है और जिसकी जिंदगी खुद एक फिल्म से बढ़कर है क्योंकि जिस प्रकार से उन्होंने जेल से छूटकर बांग्लादेश होते हुए अफगानिस्तान पहुंचकर वीर सम्राट पृथ्वीराज चौहान के अवशेष लेकर भारत लौटे और क्षत्रियों सहित पूरे भारत देश को गौरवान्वित किया क्योंकि जिस प्रकार से अफगानिस्तान में पृथ्वीराज चौहान के अवशेषों के साथ गलत दुर्व्यवहार होता था वह भारत के सभी नागरिकों को अपमानित करने वाला था जो काम भारत सरकार आज तक नहीं कर सकी उन्होंने अपने अटूट साहस और निश्चय की वजह से कर दिखाया, पृथ्वीराज चौहान जो चौहान वंश के शासक थे एवं अपनी तीरंदाजी की वजह से विख्यात थे और सन 1177 ई से लेकर 1197 ई तक शासन किया था और मेवाड़ों का राज्य स्थापित किया था ,मोहम्मद गौरी के साथ कई बार युद्ध में विजय प्राप्त करने के उपरांत 1197 ईस्वी में वह मोहम्मद गौरी के हाथों मारे गए थे जिसकी अस्थियां अफगानिस्तान के क्षेत्र पर थी, और वहां के लोगों द्वारा उनकी अस्थियों के साथ दुर्व्यवहार कर भारत के लोगों को अपमानित किया जाता था जिससे यह बदला लेने के लिए उन्होंने मन में निश्चय किया और यह असंभव कार्य कर दिखाया।

भारतीय जनता पार्टी का गांव बस्ती चलो अभियान टिकुरी में हुआ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी का गांव बस्ती चलो अभियान म0प्र0 के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला जी एवं जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता जी के नेतृत्व में ग्राम टिकुरी में सम्पन्न हुआ।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूरे देश में गांव बस्ती चलो अभियान के तहत मध्य प्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ला जी ने ग्राम टिकुरी पहुंचकर जहां बूथ पदाधिकारियों से चर्चा कर बैठक ली वहीं बूथ पदाधिकारी एवं ग्रामीणों ने श्री शुक्ल एवं भाजपा जिलाध्यक्ष का स्वागत किया।

गांव बस्ती चलो अभियान में उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल जी भाजपा जिलाध्यक्ष श्री वीरेंद्र गुप्ता जी रीवा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सिंह जी सहित कई बूथों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सैकड़ो ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

मध्य शासन के उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ला जी भाजपा जिला अध्यक्ष श्री वीरेंद्र गुप्ता जी ने भेड़ोंरा नदी में सफाई की एव लाड़ली बहना पीएम सम्मान निधि आयुष्मान भारत एवं अन्य योजनाओं के संबंध में हितग्राहियों से संवाद किया।

म0प्र0 के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ला जी ने इस दौरान अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी के केन्द्र की सरकार लगातार शोषित पीड़ित के लिए कार्य कर रही है। उनके लिए शासन ने योजना बनाकर रखी है जिसमें कि आयुष्मान कार्ड के माध्यम से सभी लोगो को मुफ्त इलाज होता है। लाडली बहना योजना, आवास योजना, उज्जवला योजना, आदि सब भाजपा सरकार की देन है। रीवा में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल बनने से लोगो की गंभीर बीमारियों का इलाज के लिए बाहर नही जाना पड़ता तथा अब रीवा में होने लगा है।

भाजपा जिलाध्यक्ष श्री वीरेन्द्र गुप्ता ने शासन की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का विस्तारपूर्वक जिक्र किया और जनता जनार्दन के बीच शासन की मुद्रा योजना, किसान सम्मान निधि, किसान कल्याण योजना, महिला एवं विधवाओं के लिये योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, ग्रामीण आवास योजना, गरीबों के लिये अंत्योदय योजना, स्वच्छता मिशन के जरिये गरीबों को सब्सिडी वाले शौचालय उपलब्ध कराना प्रदेश के औद्योगिक विकास, विभिन्न जनहितकारी स्वास्थ्य योजना, 70 वर्ष के ऊपर के बुजूर्गो को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध करवाना, लाडली लक्ष्मी योजना, सुकन्या योजना, उज्जवला योजना, गरीबों को मुफ्त राशन, सौर ऊर्जा के जरिये प्रदेश का विकास, आदि महत्वपूर्ण योजनाओं का जिक्र किया व केन्द्र सरकार द्वारा देश भर में सैकड़ो नये हवाई अड्डों का निर्माण किया गया है एवं विस्तार किया गया। इसी तरह रीवा में भी हवाई अड्डा एवं रेलवे स्टेशन का विस्तार हुआ है। रीवा जिले में जल संवर्धन योजना के अन्तर्गत सरकारी तालाबों की सुरक्षा एवं संरक्षित कर साफ सफाई की गई है।

विचार

बांग्लादेश को माइनस में ले जा रहे हैं यूनुस

बांग्लादेश पूरी तरह से राह भटक गया है, इसीलिये वहां प्रदर्शन और हिंसा नहीं रुक पा रही है और न ही नेतृत्व, ऐसे निर्णय ले पा रहा है, जिससे बांग्लादेश शांति की ओर बढ़े और संप्रभु राष्ट्र बना रहे। बांग्लादेश में अब इस्त्राइल को लेकर हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। ढाका और आस-पास के शहरों में कई अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के आउटलेट भी प्रदर्शनकारियों के निशाने पर आ गये, वहीं मोहम्मद यूनुस भी लगातार गलत निर्णय ले रहे हैं, वे चीन में शी जिनपिंग के सामने पूंछ हिलाते दिखाई दिये और फिर चापलूसी की सभी हदें पार करते हुये भारत की संप्रभुता से खेल गये, इस पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। भारत ने बांग्लादेश की ट्रांसशिपमेंट सुविधा भी बंद कर दी है, इससे पहले बैंकॉक में पिछले सप्ताह बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोहम्मद यूनुस से गलत बयानबाजी करने से बचने को कहा था, इसी विषय पर चर्चा कर रहे हैं बीपी गौतम...

बांग्लादेश में में प्रधानमंत्री शेख हसीना के विरुद्ध प्रदर्शन किया गया, जिससे उन्हें देश छोड़ना पड़ा। तख्ता पलट के बाद मोहम्मद यूनुस के हाथों में नेतृत्व चला गया लेकिन, मोहम्मद यूनुस भी असफल साबित हो रहे हैं। अब कट्टरपंथियों द्वारा सोमवार से इस्त्राइल के विरुद्ध प्रदर्शन किये जा रहे हैं। गाजा में इस्त्राइली सेना का सैन्य अभियान चला, जिसमें हजारों लोगों की जान जा चुकी है, इसके विरोध में बांग्लादेश में कट्टरपंथी सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं, इन प्रदर्शनकारियों द्वारा इस्त्राइल से जुड़े उत्पादों का बायकॉट करने की भी आवाज उठाई जा रही है, साथ ही तमाम अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड्स के आउटलेट्स पर भी हमला किया जा रहा है। बाटा, केएफसी और पिज्जा हट जैसे ब्रांड्स को निशाना बनाया जा रहा है, इन पर इस्त्राइल से जुड़े होने की आशंका में कट्टरपंथियों की भीड़ ने हमला कर दिया।

बांग्लादेशी अखबार ढाका ट्रिब्यून के अनुसार प्रदर्शन के दौरान कई जगहों पर भीड़ हिंसक हो उठी। प्रदर्शनकारियों ने कई स्टोर्स में तोड़-फोड़ की और उनके स्टाफ को भी निशाना बनाने की कोशिश की। बोगरा शहर में सैकड़ों की संख्या में छात्रों और स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया और इस्त्राइल के खिलाफ नारेबाजी की, इस दौरान इस्त्राइली उत्पादों के बहिष्कार की मांग उठी और देखते ही देखते भीड़ ने बाटा के शोरूम पर धावा बोल दिया। प्रदर्शनकारियों ने इस शोरूम पर पत्थर बरसाये, जिससे शीशे की दीवारें टूट गईं। हालांकि, इससे पहले कि भीड़ शोरूम में घुसकर कर्मचारियों को निशाना बनाती, कुछ कर्मियों ने हिम्मत दिखाकर दरवाजे को अंदर से बंद कर लिया।

योगी ने साकार किया राम को रोटी से जोड़ने का सपना

अपने यहां कहा जाता है,जिसने जन्म दिया वही रोटी का भी इंतजाम करेगा। यह ऊपरवाले पर मुकमल भरोसे के साथ इस बात की ओर भी संकेत करता है कि अगर अपने इष्टदेवों से जुड़े स्थलों को सजा सवार दिया जाय। वहां आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा एवं सुविधा के मद्देनजर बुनियादी सुविधाएं विकसित कर दी जाएं तो वहां भारी संया में रोजी रोजगार के अवसर स्थानीय और आसपास के लोगों को उपलध होते हैं। यह राम को रोटी को जोड़ने जैसा है। उार प्रदेश के मुयमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे सच साबित कर दिया। आज शिव की अविनाशी काशी और राम की अयोध्या पर्यटकों की आमद के मद्देनजर यहां के लाखों लोगों की रोजी-रोटी का जरिया बन गए हैं। कमोबेश यही स्थिति अन्य तीर्थ स्थलों की भी है। तीरथराज प्रयाग में आयोजित महाकुंभ में तो इसका चरमोत्कर्ष दिखा।

सरकार का अनुमान था कि करीब डेढ़ महीने तक चलने वाले विश्व के इस सबसे बड़े धार्मिक समागम में करीब 35 से 40 करोड़ श्रद्धालु एवं पर्यटक शामिल होंगे, पर शामिल हुए 66 करोड़ से अधिक लोग। इनमें से बहुतों की मंजिल सिर्फ प्रयागराज ही नहीं, काशी, अयोध्या, वनगमन के दौरान जहां भाई लक्ष्मण और पत्नी सीता सहित राम को निषादराज ने जहां उनको गंगा पार कराया था वह श्रृंगवेरपुर और वनगमन के दौरान राम ने मंदाकिनी के तट पर जिस चित्रकूट में सर्वाधिक समय गुजारा था, वह भी थी। कई लोगों ने विंध्याचल स्थित मां जगदंबा के दरबार में भी हाजिरी लगाई।

अब एक पर्यटक ने औसतन इस दौरान कितना खर्च किया। इस खर्च का कितना कितना लाभ इस सेक्टर्स से जुड़े स्टेकहोल्डर्स और स्थानीय लोगों को मिला। केंद्र और राज्य सरकार के हिस्से में प्रयागराज के महाकुंभ और काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर और राममंदिर एवं अयोध्या के कायाकल्प पर हुए खर्च की तुलना में कितना लाभ हुआ, यह अर्थशास्त्र के जानकारों के लिए अनुमान विषय है। पर, यह निर्विवाद सच है कि पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की बढ़ती आमद से लाभ में सब रहे। साथ ही इसने उत्तर प्रदेश के लिए संभावनाओं का एक नया और बड़ा दरवाजा खोल दिया। क्योंकि, बहुसंख्यक समाज के रोम रोम में बसने वाले राम की अयोध्या, तीनों लोकों से न्यारी शिव की काशी और राधा कृष्ण की जन्म भूमि, ग्वाल बालों और गोपियों के साथ लीला के स्थल ब्रज उत्तर प्रदेश में है। इन सभी जगहों की संभावनाओं के मद्देनजर योगी सरकार यहां आने वालों की सुरक्षा और सुविधा के लिहाज से लगातार काम भी कर रही है।

इसका नतीजा है कि पर्यटकों की आमद के हिसाब से उत्तर प्रदेश लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। 2022 से ही घरेलू पर्यटकों के लिहाज से उत्तर प्रदेश देश में नंबर एक पर बना हुआ है। सरकार के आंकड़ों पर गौर करें तो 2017 में उत्तर प्रदेश में आने वाले पर्यटकों की संख्या मात्र 24 करोड़ थी, जो 2024 में बढ़कर 65 करोड़ हो गई। आठ वर्षों में 41 करोड़ की यह वृद्धि खुद में अभूतपूर्व है। स्वाभाविक है कि महाकुंभ के नाते 2025 एक नया रिकॉर्ड रचेगा। यह संख्या एक अरब का ऊपर तक जा सकती है।पंजाब, हरियाणा और दिल्ली चैंबर ऑफ कॉमर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 60 फीसद से अधिक घेरलू यात्राएं धार्मिक स्थलों की होती हैं। धार्मिक पर्यटन आर्थिक उन्नति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए ऐसी सभी जगहों को बेहतरीन बुनियादी सुविधाओं, सड़क और एयर कनेक्टिविटी, आने वालों की सुरक्षा और सेवा देनी होती है। यह सारा काम उत्तर प्रदेश सरकार पूरी संजीदगी से कर रही है। यह सब यूं ही नहीं हुआ। इसकी पृष्ठभूमि मार्च 2017 में जब योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने तभी से शुरू हो गई थी। तब अयोध्या जाना तो दूर की बात, कोई नेता अयोध्या का नाम तक नहीं लेना चाहता था उस अयोध्या में वह बार बार गए। हर बार उन्होंने अयोध्या को विकास की बड़ी सौगात दी। दीपावली के एक दिन पूर्व भव्य दीपोत्सव आयोजन कराया। इससे एक बार फिर देश-दुनिया में राम को मानने वालों का ध्यान अयोध्या की ओर गया। राम मंदिर के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने और मंदिर का शिलान्यास होने के बाद तो केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार ने अयोध्या के कायाकल्प के लिए खजाने का मुंह खोल दिया। मुख्यमंत्री की मंशा अयोध्या की दुनिया की सबसे खूबसूरत पर्यटन नगरी बनाने की है। इसे वे कई बार सार्वजनिक मंचों से भी कह चुके हैं। उसी मंशा के अनुरूप अयोध्या में लगातार काम भी हो रहे है। काशी, प्रयाग, ब्रज क्षेत्र पर भी उनका इसी तरह फोकस है।

उल्लेखनीय है कि राम और रोटी का रिश्ता अटूट है। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। राम मंदिर आंदोलन को धार देकर भाजपा ने इसे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का सबसे प्रमुख एजेंडा बनाया। करीब 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद जब राम मंदिर आंदोलन के बारे में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया और अयोध्या में राम जन्मभूमि पर रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण शुरू हुआ तो केंद्र और उत्तर प्रदेश में भाजपा ही सत्ता में रही। सोने पर सुहागा यह कि इस समय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री गोरखपुर स्थित गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ थे। यह वह पीठ है जिसका राम मंदिर आंदोलन से वास्ता करीब 100 वर्षों का है। योगी के दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ, गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ और खुद योगी आदित्यनाथ राम मंदिर आंदोलन के हर महत्वपूर्ण घटना के समय मौजूद रहे। ऐसे में जनमानस के मन में यह बैठ गया है कि अयोध्या में श्रीराम को फिर से पुनर्स्थापित करने का काम भाजपा ने किया। इस काम में गोरक्षपीठ की अहम भूमिका रही। बतौर पीठ के पीठाधीश्वर एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ न केवल इस कसौटी पर खरे उतरे, बल्कि काशी, मथुरा, प्रयागराज सहित अन्य धार्मिक स्थलों के नियोजित विकास से अपने पद एवं दायित्व के अनुसार उसे विस्तार भी दिया। यह सिलसिला अभी जारी है।

क्षेत्रीय पार्टियों की बैसाखी कब तक बनी रहेगी काँग्रेस

कांग्रेस अधिवेशन 2025 गुजरात के अहमदाबाद में शुरू हो गया हैद्य कांग्रेस का अधिवेशन हर साल होता है, बड़े से बड़े नेता इकट्ठा होते हैं पार्टी करते हैं चले जाते हैंद्य केवल अधिवेशन से कुछ नहीं होगा आज मैं जो बात बोलने जा रहा हूं वह हो सकता है कांग्रेस के नेताओं को हजम ना होद्य हालांकि सच तो बोलना होगाद्य सच्चाई यही है कि हर बार अधिवेशन होता हैद्य तमाम तरह के सुझाव निकलते हैं, मंथन होता है लेकिन जमीन पर कुछ दिखाई नहीं देताद्य कांग्रेस बार-बार एक ही तरह की गलती दोहराती है, एक ही तरह के मुद्दे लेकिन सीख क्या लेती है अमल क्या करती है ज़मीन में कहीं दिखाई नहीं देताद्य

राहुल गांधी बार-बार भाजपा को संविधान विरोधी बोलते हुए आरोप लगाते हैं और जातिगत जनगणना जैसे मुद्दे उठाते हैंद्य लेकिन कांग्रेस पार्टी और विपक्ष चुनाव लड़ने के लिए राजी हो जाते हैंद्य राहुल गांधी और कांग्रेस हमेशा कहते हैं कि सदन में हमें बोलने नहीं दिया जाता अगर बोलने नहीं दिया जाता तो आप सब सामूहिक इस्तीफा क्यों नहीं देते! अगर आप सामूहिक इस्तीफा देंगे तो सत्ता के चेहरे पर से नकाब उतर जाएगाद्य विपक्ष हमेशा ईवीएम का मुद्दा उठाती है लेकिन जब हार जाती है तब जब कर्नाटक, हिमाचल जैसे राज्य कांग्रेस जीत जाती है तब चुप हो जाती हैद्य दर-असल यही कमी दिखती है कि कांग्रेस कहती कुछ हे करती कुछ हैद्य एकतरफ़ा आप ईवीएम का विरोध क्यों नहीं करते

राहुल गांधी हमेशा कहते हैं कि हम जमीन से बदलाव करेंगे पार्टी को खड़ा करेंगेद्य कांग्रेस पार्टी में ट्विटर चलाने वाले और सोशल मीडिया पर आवाज उठाने वाले नेताओं का जमावड़ा है लेकिन ज़मीन पर उतर कर काम करने वालों की भारी कमी हैद्य कांग्रेस अधिवेशन में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन लड़के ने बिल्कुल सही कहा है - हम मुस्लिम, दलितो में उलझे रहे और हमारा जो हमारा कोर वोटर ओबीसी हमेशा हमारे साथ रहा है, वह हमसे छटक गया हैद्य यह सच है जिसकी तरफ ओबीसी वोट होगा उसकी सत्ता होगी तो केवल अधिवेशन से सत्ता में वापसी कांग्रेस कर पाएगी ये वास्तविकता से विपरीत हैद्य कांग्रेस की तुलना में भाजपा का थिंकटैंक बहुत ही सुदृढ़ हैद्य भाजपा एक चुनाव के बाद अगले चुनाव की रणनीति में लग जाती है जबकि कांग्रेस सबसे ज़्यादा यहीं पिछड़ती है

तमिलनाडु में अगले चरण में भाषा विवाद

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन की ओर से उठाए गए भाषा विवाद की गेंद को प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीतिक समझदारी के साथ उनके ही पाले में डाल दी है। तमिलनाडु की हालिया यात्रा में उन्होंने कह दिया कि तमिल राजनेता अपना हस्ताक्षर अंग्रेजी की बजाय तमिल में क्यों नहीं करते। लगे हाथों उन्होंने यहां तक कह दिया कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन को मेडिकल की पढ़ाई तमिल में करानी चाहिए। तमिलनाडु में हिंदी को लेकर विवाद शुरू से ही रहा है, हाल ही में स्टालिन सरकार ने अपना बजट पेश करते वक्त बजट से रूपए के आधिकारिक हिंदी प्रतीक की विदाई और तमिलभाषा वाले प्रतीक का इस्तेमाल किया था। जिस पर हंगामा होना स्वाभाविक है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु में भाषा को लेकर नया बयान दे दिया है। हो सकता है कि तमिल राजनीति इसका फिर से आक्रामक जवाब दे, लेकिन प्रधानमंत्री के सवाल के बाद तमिल राजनीति के लिए जवाब देना मुश्किल होगा..क्योंकि तमिल का प्रश्न उठाकर एक तरह से प्रधानमंत्री ने तमिल राजनीति को स्थानीयता के ही मुद्दे पर कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की है।

दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति राष्ट्रीय सहमति से अलग सोचती रही है। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रूपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है। सबसे पहले आज के दौर की राजनीतिक मंशा को समझना जरूरी है। मौजूदा राजनीति का हर नया कदम और नई राजनीतिक नैरेटिव बनाने की कोशिश के परोक्ष और प्रत्यक्ष, दो उद्देश्य हैं। पहला मकसद जहां तुरंत जनभावनाओं को अपने पक्ष में मोड़कर सियासी फायदा उठाना होता है, वहीं इनके सहारे भविष्य के लिए अपनी मजबूत सियासी इमारत खड़ा करना भी रहती है। तमिलनाडु सरकार के हालिया कदमों का तात्कालिक कारण है अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव। इन मुद्दों के जरिए डीएमके अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। चूंकि ये मुद्दे तकरीबन आठ दशकों से डीएमके की राजनीतिक फसल के खाद का काम करते रहे हैं, इसलिए स्टालिन को एक बार फिर इसी पर भरोसा है। संविधान के मुताबिक, भारत भले ही राज्यों का संघ हो, लेकिन राज्यों को राष्ट्रीय मुद्दों से अलग राह, जिनमें अलगाववाद के खतरे हों, किसी भी कीमत आगे बढ़ने की छूट नहीं है। संविधानसभा की बहस के दौरान राज्यों के ऐसे कदमों की आशंका को देखते हुए ही मजबूत केंद्र की अवधारणा को स्वीकार किया गया। इसके बावजूद यदा-

कदा कई राज्य राष्ट्रीय सोच से अलग रूख अख्तियार करते रहते हैं। हाल के दिनों में इस कोशिश में पश्चिम बंगाल भी जुड़ा, जहां से राष्ट्रवादी विचारधारा को बल मिला। अरसे से कई मुद्दों पर अलग रूख अख्तियार करते वक्त तमिल राजनीति भारतीयता के अभिन्न अंग् तमिल की अवधारणा और संविधान की सोच को दरकिनार करती रही है।

तमिलनाडु में हिंदी विरोध 1935 में डीएमके के वैचारिक उभार के साथ ही शुरू हुआ। तब भी यह सोच राष्ट्रीय युगबोध से अलग थी। तमिलनाडु में पहले क्रांतिकारी सोच के नाम पर ब्राह्मण विरोध की शुरूआत हुई, जिसका अगला कदम हिंदी विरोध रहा। अब यह सोच एक तरह से उत्तर भारत विरोध तक पहुंच चुकी है। दिलचस्प यह है कि इसमें कई बार कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी भी मददगार होती रही है। 2023 के विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी और तेलंगाना में कांग्रेस को मिली जीत के बाद नया नैरेटिव गढ़ा गया था। जिसके मुताबिक, गोबर पट्टी के राज्यों को पिछड़ा और दक्षिणी राज्यों को समझदार बताया गया। यानी जो बीजेपी को चुने, वह पिछड़ा और जो कांग्रेस को चुने, वह प्रगतिशील। इस नैरेटिव के जरिए उत्तर और दक्षिण के बीच गहरी विभाजन रेखा खींचने की कोशिश हुई। लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर द्रविड़ राजनीति की ओर से उठाए जा रहे सवालों में इसके विस्तार को देखा जा सकता है। अपनी अलहदा सोच के लिए अतीत में डीएमके को कीमत भी चुकानी पड़ी है। 1991 में तत्कालीन चंद्रशेखर सरकार ने करूणानिधि सरकार को कुछ ऐसी ही वजहों से बर्खास्त किया था। डीएमके करीब दो दशक से कांग्रेस की सहयोगी है, लेकिन अतीत में एक बार वह भी डीएमके की ऐसी सोच के चलते केंद्र की गुजराल सरकार को गिरा चुकी है। अभी चाहे हिंदी का सवाल हो या फिर रूपए के प्रतीक को बदलने की बात, डीएमके के रूख पर कांग्रेस ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है। ऐसा लगता है कि इन मुद्दों पर कांग्रेस की स्थिति सांप और छछूंदर जैसी हो गई है। अगर वह डीएमके का विरोध करती है तो उसे अपने स्थानीय समर्थकों के छिटकने का डर है और यदि समर्थन करती है तो उत्तर भारत में उसकी उम्मीदें बिखर सकती हैं। लेकिन बीजेपी ने आक्रामक रूख अपना रखा है। रूपए का हिंदी प्रतीक बदलने का सबसे तेज विरोध तमिल मूल की निर्मला सीतारमण और राज्य बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष अन्नामलाई कर रहे हैं। उनका साथ उनकी पूर्ववर्ती तमिलसाई सौंदर्याराजन दे रही हैं। बीजेपी की कोशिश है, स्टालिन के हिंदी विरोध की हवा तमिल सोच के जरिए निकालने की है। इसका आधार जोहो कंपनी प्रमुख श्रीधर वेंबु हिंदी समर्थन में बयान देकर मुहैया करा चुके हैं।

अगले साल अप्रैल-मई में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2021 के चुनाव में दशकभर बाद डीएमके को सत्ता मिली थी। स्टालिन इसे ही बचाए रखने की जुगत में हैं। उत्तर और हिंदी विरोधी माहौल जिंदा रखकर स्थानीय भावनाओं को उभारना तमिलनाडु का आसान राजनीतिक फार्मूला रहा है। त्रिभाषा फ़ॉर्मूले में हिंदी विरोध स्टालिन को सबसे आसान लगा और वे मैदान में कूद पड़े। जनसंख्या के लिहाज से लोकसभा सीटों का परिसीमन में कम होना और रूपए का प्रतीक बदलना इसी का विस्तार है।

1937 में पेरियार के हिंदी विरोधी आंदोलन को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का समर्थन मिला। 1965 में जब संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी राजभाषा बन रही थी, तब सीए अन्नादुरै की अगुआई वाले हिंदी विरोधी तीखे आंदोलन को समूचे तमिलनाडु का साथ मिला। इसके दो साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी, तब से कांग्रेस राज्य में हाशिए पर ही है। इस बार हिंदी विरोध या रूपए के प्रतीक बदलने की तरकीब को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का साथ मिलता नहीं दिख रहा। इसकी बड़ी वजह यह है कि तमिल समुदाय भी अब भाषा की राजनीति और उसके दायरे को समझने लगा है। संचार क्रांति के जरिए उसे भी पता है कि स्टालिन द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों की खामी-खासियत क्या है तमिल समुदाय के एक हिस्से की समझ बनी है कि उनकी सरकार का विरोध एक बिंदु पर राष्ट्रीय धारा के विपरीत हो सकता है। अब तमिलनाडु में भी लोग मिलने लगे हैं, जिन्हें हिंदी विरोध राजनीतिक शिगूफा लगता है। स्टालिन जिस तरह तेजी से एक के बाद एक मुद्दे उछाल रहे हैं

दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर मुठभेड़, 3 नक्सली ढेर

400 जवानों ने नक्सलियों को घेरा, शव और हथियार बरामद; 2025 में अब तक 146 नक्सली मारे गए

मीडिया ऑडिटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर के भैरमग? इलाके में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। जवानों ने 3 नक्सलियों को मार गिराया है। तीनों के शव के साथ हथियार भी बरामद किया गया है। दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने मुठभेड़ की पुष्टि की है।

उन्होंने बताया कि बीजापुर के इंद्रावती क्षेत्र के जंगलों में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिसके बाद करीब 400 जवानों को ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया था। जवानों ने 2025 में अब तक 146 नक्सलियों को मार गिराया है।

एसपी गौरव राय के मुताबिक, दोनों जिलों का यह जॉइंट ऑपरेशन है। एनकाउंटर में माओवादियों को भारी नुकसान होने की संभावना है। मारे गए 2 नक्सलियों में से एक के 6 जनवरी को हुए बीजापुर जिले के अंबेली ब्लास्ट की घटना में शामिल होने की बात सामने आ रही है।

नक्सलियों ने ढ्ढश्वष्ठ ब्लास्ट कर जवानों से भरे वाहन को उ?ाया था। ब्लास्ट में 8 जवान और एक वाहन चालक शहीद हो गए थे।

12 दिन पहले मारी गई 45 लाख की इनामी रेणुका

दंतेवाड़ा और बीजापुर बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 45 लाख की इनामी महिला नक्सली लीडर रेणुका उर्फ बानू को ढेर किया था। रेणुका ष्ठयर्स्ष्ट-दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर थी। शव के साथ एक इंसास राइफल, गोला बारूद और लैपटॉप बरामद किया गया।इससे पहले 25 मार्च को सुरक्षाबलों ने 25 लाख रुपए के इनामी नक्सली सुधीर उर्फ ??सुधाकर समेत 3 नक्सलियों को मार गिराया था। बस्तर रेंज में जवानों ने 2025 में अबतक 119 नक्सलियों के शव बरामद किए हैं।

शाह ने कहा था- अगले चैत्र-नवरात्रि तक लाल आतंक खत्म हो जाएगा

6 दिन पहले बस्तर दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दंतेवाड़ा में कहा था कि अगले चैत्र नवरात्रि तक लाल आतंक खत्म हो जाएगा। बस्तर से नक्सलवाद खत्म होने के कगार पर है। नक्सलियों से सरेंडर करने की अपील की थी।

लोगों से कहा था कि नक्सलियों को सरेंडर कराकर गांवों को नक्सल मुक्त बनाइए। हर गांव को एक करोड़ मिलेगा।

मां ने बेटी के सामने पिता का घोंटा गला,अवैध संबंध की आशंका

मीडिया ऑडिटर(निप्र)
Mediaauditor.in

सरगुजा .छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में एक युवक की संदिग्ध हालात में घर में लाश मिली है। उसकी 5 साल की बेटी ने दावा किया है कि, मां ने पिता की हत्या की है। मारने से पहले खाट पर पैर बांधे, फिर चेहरे पर प्लास्टिक डालकर दुपट्टे से गला घोंट दिया। मामला लुण्ड्रा थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम मोहम्मद उम्मत (32) है, जो बकनाकला का रहने वाला था। बेटी की बयान के बाद पत्नी मेहरून निशा को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। दरअसल, शनिवार सुबह मोहम्मद उम्मत की संदिग्ध हालत में लाश मिली है। आशंका जताई जा रही है कि, मेहरून निशा का किसी दूसरे युवक से प्रेम संबंध है। इस बारे में मोहम्मद को पता चला गया था, इसलिए दोनों ने मिलकर रास्ते से हटाने के प्लान बनाया। वहीं, मोहम्मद उम्मत की बेटी का दावा है कि, मां ने ही पिता को बैर बांधकर मारा है। वहीं युवक की पत्नी मेहरून निशा ने बताया कि, रात को पति के साथ विवाद होने के बाद वो बेटी को लेकर दूसरे कमरे में सोने चली गई थी। इसके बाद का उसे पता नहीं है। टीआई मनोज प्रजापति ने कहा कि, शुरुआती जांच में हत्या के कोई सबूत नहीं मिले हैं। आशंका है कि, युवक ने ज्यादा मात्रा में दवा का सेवन कर लिया होगा, जिससे उसकी मौत हो गई है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मिलने के बाद युवक की मौत के कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस ने बताया कि युवक के गले, चेहरे में चोट और गला दबाने के निशान नहीं मिले हैं। उसके पैरों में भी बांधने का कोई निशान नहीं है। हालांकि, अभी तक मर्डर के भी कोई सबूत नहीं मिले हैं। बेटी ने ऐसा बयान क्यों दिया, पुलिस इसकी भी जांच कर रही है।

बिलासपुर में बारिश से पहले रेत डंपिंग

हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी नही रूक रहा अवैध उत्खनन व परिवहन....

मीडिया ऑडिटर(निप्र)
Mediaauditor.in

बिलासपुर हाईकोर्ट के सख्त आदेश के बाद भी बिलासपुर में रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन नहीं थम रहा है। अभी मानसून को ढाई महीना बाकी है। फिर भी रेत माफिया अभी से अवैध उत्खनन और परिवहन कर रेत डंप करने में जुट गए हैं। हालांकि, खनिज विभाग लगातार कार्रवाई करने का दावा कर रहा है। शुक्रवार को राजस्व विभाग ने अवैध उत्खनन और परिवहन करने वाले चार हाईवा व एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। मस्तूरी क्षेत्र में अरपा नदी और शिवनाथ नदी में अलग-अलग 10 जगहों पर रेत का अवैध खनन हो रहा है। जिसमें प्रभावशाली लोगों के शामिल होने का आरोप है। जिसमें जोंधरा के साथ ही पचपेड़ी तहसील क्षेत्र ग्राम पंचायत गोपालपुर ,परसोढी, भिलौनी, हरदी गोबरी सहित आसपास के इलाके शामिल हैं। बीते दिनों मस्तूरी एसडीएम से इसकी शिकायत की गई थी, जिस पर उन्होंने नायब तहसीलदार अप्रतिम पांडेय की टीम ने जोंधरा से होकर शिवनाथ नदी की ओर जाने वाले मार्ग पर छापा मारा। मौके पर रेत परिवहन करते चार हाइवा और एक ट्रैक्टर जब्त किए गए। दो वाहन चालक मौके से फरार हो गए, जिनके वाहन कोटवार की निगरानी में रखे गए हैं। शेष तीन वाहन पचपेड़ी थाना की सुपुर्दगी में दिए गए। टीम ने नदी तक पहुंचने वाले रास्ते को अवरुद्ध कर तस्करी रोकने का प्रयास किया है। दूसरी तरफ तखतपुर तहसील के ग्राम पकरिया में तहसीलदार पंकज सिंह के नेतृत्व में छापेमारी कर 30 हजार अवैध ईंटें जब्त की गईं। ईंटों को सरपंच और कोटवार की निगरानी में सौंपा गया है। मामले में न्यायालयीन कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्रशासन की इस कार्रवाई से खनिज का अवैध कारोबार करने वालो में हड़कंप मचा हुआ है। अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में यह मुहिम जारी रहेगी। हाईकोर्ट ने जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान खनिज विभाग को अवैध उत्खनन और परिवहन पर रोक लगाने का आदेश दिया है। लेकिन, खनिज विभाग के जिले में लगातार लगातार कार्रवाई करने का दावा कर रहा है। इसके बाद भी जिले में रेत उत्खनन और परिवहन का अवैध कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि यह अवैध कारोबार खनिज विभाग की मिलीभगत से चल रहा है। जिसके कारण केवल दिखावे की कार्रवाई की जाती है।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का शुभारंभ

सुशासन तिहार के लिए आए 40 हजार आवेदन

मीडिया ऑडिटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना 2025-26 की शुरुआत हो गई है। इस योजना के तहत 90 श्रद्धालुओं को उज्जैन, ओंकारेश्वर और महाकालेश्वर के दर्शन के लिए भेजा गया है।यात्रा 10 से 13 अप्रैल 2025 तक चलेगी। श्रद्धालुओं को आत्मानंद स्कूल के पास स्थित जिला समाज कल्याण विभाग कार्यालय से रवाना किया गया। नगर पालिका परिषद की नई अध्यक्ष प्रतिमा यादव ने पार्षदों के साथ हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया। वहीं, जिले में सुशासन तिहार को जनता का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। जिले में पहले चरण में कुल 40,613 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 3,137 आवेदन ऑनलाइन माध्यम से जमा किए गए हैं।विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त आवेदनों में बैकुण्ठपुर विकासखंड से सबसे अधिक 28,000 आवेदन मिले हैं।

इस योजना में 60 साल से अधिक उम्र के वृद्ध, परित्यक्ता और विधवा महिलाओं को प्राथमिकता दी गई है। सरकार का मुख्य उद्देश्य उन लोगों को तीर्थ यात्रा कराना है, जो आर्थिक कारणों से खुद यात्रा नहीं कर सकते। कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक आर.के. सिन्हा समेत कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। श्रद्धालुओं को भावभीनी विदाई दी ।

नियोक्ता का प्रमोशन के लिए नियम बनाना अधिकार

हाईकोर्ट के कर्मचारियों ने दी पदोन्नति चुनौती, डिवीजन बेंच ने किया खारिज

मीडिया ऑडिटर(निप्र)
Mediaauditor.in

बिलासपुर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरू की डिवीजन बेंच ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि, किसी पद पर नियुक्ति या पदोन्नति के लिए आवश्यक योग्यताएं और मानदंड निर्धारित करना नियोक्ता का अधिकार है।

हाईकोर्ट ने कहा कि, नियोक्ता को यह स्वतंत्रता होती है कि वह अपनी आवश्यकता, कार्य की प्रकृति और संस्थागत हितों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक, वांछनीय या वरीयता योग्यताएं तय करें। यह फैसला हाईकोर्ट के ही 16 कर्मचारियों की याचिका को खारिज करते हुए दिया गया है। दरअसल, हाईकोर्ट के सहायक ग्रेड-3 में पदोन्नति के लिए अपनाए गए नए नियम को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं में प्रमुख रूप से भीम बलि यादव समेत 15 अन्य चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शामिल थे। उन्होंने याचिका में दावा किया कि वे 15-20 वर्षों से बिना पदोन्नति के समान वेतन व पद पर कार्यरत हैं। वर्ष 2003 व 2015 के सेवा नियमों में पदोन्नति के लिए तय मानदंड ही लागू होने चाहिए। हाईकोर्ट प्रशासन द्वारा 24 फरवरी 2022 को जारी अधिसूचना को रद्द करने की मांग की। जिसमें 2017 में बने नियमों के तहत लिखित और कौशल परीक्षा को अनिवार्य किया गया है। उनका तर्क था कि चूंकि उनकी नियुक्ति पुराने नियमों के तहत हुई है, इसलिए उन्हीं नियमों के आधार पर पदोन्नति होनी चाहिए। लेकिन, हाईकोर्ट ने सहायक ग्रेड-III के 69 रिक्त पदों पर पदोन्नति के लिए 5 मार्च 2022 को लिखित परीक्षा और कौशल परीक्षा आयोजित की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने इस प्रक्रिया का विरोध करते हुए कहा कि नियम, 2017 के तहत किए गए संशोधन उनके लिए प्रतिकूल हैं और पहले से निर्धारित नियमों के विपरीत हैं। उन्होंने कहा कि 2003 के नियमों के अनुसार वे स्नातक या 12वीं उत्तीर्ण के साथ 2 वर्ष की सेवा पूरी करने पर पदोन्नति के पात्र थे।

हाईकोर्ट प्रशासन का जवाब- जरूरत के हिसाब से नियमों में बदलाव

हाईकोर्ट की ओर से अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि समय के साथ जरूरतों के अनुसार नियमों में बदलाव किया गया है। साल 2015 में 10 प्रतिशत पदों को केवल योग्यता आधारित सीमित प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से भरने का प्रावधान जोड़ा गया था, जिसे याचिकाकर्ताओं ने तब कभी चुनौती नहीं दी। वर्ष 2017 में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय सेवा (नियुक्ति, सेवा की शर्तें एवं आचरण) नियम अधिसूचित किए गए, जिसके तहत पूर्व के नियम स्वतः समाप्त हो गए। नए नियमों के अनुसार, 75 प्रतिशत पद प्रतियोगी परीक्षा से सीधी भर्ती के लिए और 25 प्रतिशत पद पदोन्नति के लिए आरक्षित हैं, जिसमें लिखित परीक्षा और कौशल परीक्षण आवश्यक है।

हाईकोर्ट की सत टिप्पणी...

डिवीजन बेंच ने अपने फैसले में कहा कि पदों पर नियुति के लिए आवश्यक योग्यताएं निर्धारित करने का अधिकार नियोता के पास है। नियोता यह तय करने के लिए सबसे उपयुत होता है कि कार्य की प्रकृति और संस्थान की आवश्यकता के अनुसार या योग्यताएं अपेक्षित हैं। न्यायालय केवल तब हस्तक्षेप कर सकता है जब अधिसूचना अस्पष्ट हो या नियम किसी कानून के विरुद्ध हों। कोर्ट ने यह भी कहा कि, यदि विज्ञापन और अधिसूचना स्पष्ट हैं, तो न्यायालय उसे फिर से नहीं लिख सकता और न ही वांछनीय योग्यताओं को अनिवार्य योग्यताओं के समतुल्य मान सकता है। समतुल्यता का आकलन भी न्यायिक समीक्षा के दायरे से बाहर है।

चोरी के जेवरात खरीदने और गलाने वाला सोनार गिरफ्तार

मीडिया ऑडिटर(निप्र)
Mediaauditor.in

कोरबा के एमपी नगर कॉलोनी में कंस्ट्रक्शन ठेकेदार के मकान में चोरी करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पकड़े गए आरोपियों में चोरी के सोने-चांदी के जेवरात को खरीदने वाला और इन गहनों को गलाने वाला भी शामिल है। पुलिस ने चोरी का माल बरामद कर लिया है। सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। दरअसल, कंस्ट्रक्शन ठेकेदार सुजीत कुमार के एमपी नगर कॉलोनी स्थित एमआईजी 1/139 मकान को चोरों ने निशाना बनाया था। मकान मालिक सुजीत कुमार भिलाई गए हुए थे। इसी बीच उनके मकान में चोर घुस गए। चोरों ने अलमारी का लॉकर तोड़कर सोने-चांदी के बिस्किट, हीरे के जेवरात और 50 हजार रुपए नकद समेत 15 लाख की चोरी की थी। चोरी की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से दो चोरों नितेश साहू और ललित भोई को पकड़ा। पूछताछ में पता चला कि वे चोरी का माल निखिल साहू नामक सराफा कारोबारी को बेचते थे। निखिल इन जेवरातों को अमित काले नाम के सोनार से गलवाता था। थाना प्रभारी प्रमोद डनसेना के अनुसार, पकड़े गए चोर आदतन अपराधी हैं। वे पहले भी दो चोरियां कर चुके हैं। पुलिस ने चोरी का सामान बरामद कर लिया है। सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

इंजीनियर से महिला LIC एजेंट ने की ठगी डबल मुनाफा का लालच देकर 4 लोगों से 45 लाख वसूले, फर्जी रसीद थमाया

मीडिया ऑडिटर(निप्र)
Mediaauditor.in

रायपुर में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर से पड़ोसी महिला LIC एजेंट और उसके बेटे ने ठगी की है। दोनों ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर के अलावा तीन और लोगों को बिजनेस में डबल मुनाफा का लालच दिया। फिर 45 लाख रुपए वसूल कर लिए। आरोपियों ने बाकायदा उन्हें रसीद भी दी, जो फर्जी निकली। मामला सिविल लाइन थाना इलाके की है। सिविल लाइन पुलिस के मुताबिक, जतिन चौधरी (43) ने शिकायत में बताया कि, वो न्यू शांति नगर रायपुर में रहता है और एक निजी अस्पताल में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। पड़ोसी महिला LIC एजेंट शरनजीत कौर और उसका बेटा बलवीर सिंह बीमा का काम करते हैं। दोनों मां-बेटे के पास जतिन ने साल 2013 से अब तक अपने और फैमिली मेंबर्स के लिए 13 पॉलिसी खरीदी थी। जतिन ने आरोपी मां-बेटे से जीवन सरल पॉलिसी, बीमा गोल्ड पॉलिसी, जीवन छाया पॉलिसी, मनी बैंक पॉलिसी, जीवन रक्षक पॉलिसी, अपनी पत्नी के नाम से आधारशिला पॉलिसी, बच्चों के नाम जीवन तरुण पॉलिसी खरीदी थी। साल 2024 में शरनजीत के कहने पर उन्होंने बलवीर को कैश और ऑनलाइन भुगतान के जरिए करीब 2 लाख 81 हजार दिए गए थे। जतिन को साल 2024 में इनकम टैक्स भरने के लिए पॉलिसी रसीद की जरूरत पड़ी। वो साल 2022 और 2023 की जमा रसीद को लेकर जीवन बीमा कार्यालय पंडरी ब्रांच गए। जहां पर पता चला कि, यह रसीद फर्जी है। आरोपियों ने 3 सालों में जतिन से 5 लाख 75 हजार रुपए वसूल कर लिए थे। इसी तरह नितेश वर्मा से बिजनेस में डबल मुनाफे का झांसा देकर 4 लाख 96 हजार, जगमोहन सिंह नागपाल से 5 लाख 93 हजार, भूषण कुमार झोडे से 28 लाख 88 हजार रुपए वसूल कर लिए। इस तरह मां बेटे ने मिलकर चार अलग-अलग लोगों से करीब 45 लाख रुपए की धोखाधड़ी की। फिलहाल, इस मामले में सिविल लाइन पुलिस आगे की जांच कर रही है।

युवक ने मालगाड़ी के सामने कूदकर दी जान

मीडिया ऑडिटर(निप्र)
Mediaauditor.in

कोरबा में शनिवार में दोपहर उरगा थाना क्षेत्र के सरगबुंदिया रेलवे समपार फाटक के पास एक अज्ञात युवक ने मालगाड़ी के सामने कूदकर जान दे दी। लोको पायलट के मुताबिक, युवक पटरी के किनारे चल रहा था। उन्होंने कई बार हॉर्न बजाया और गाड़ी की रफ्तार भी कम की। लेकिन युवक ने अचानक मालगाड़ी के सामने छलांग लगा दी। हादसे के बाद इमरजेंसी ब्रेक लगाकर गाड़ी रोकी गई और स्टेशन मास्टर को सूचना दी गई। मृतक की उम्र करीब 25-27 साल की है। वह जींस और शर्ट पहने हुए था। उसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। रेलवे आरपीएफ पुलिस ने घटना की जानकारी चांपा जीआरपी पुलिस को दी। युवक की पहचान के लिए उरगा थाना पुलिस गांव के कोटवारों के जरिए मुनादी करवा रही है। साथ ही व्हाट्सएप ग्रुप्स में भी उसकी फोटो शेयर की जा रही है। घटनास्थल सरगबुंदिया रेलवे स्टेशन के पास है। आगे की कार्रवाई के लिए पड़ोसी जिला जांजगीर-चांपा से जीआरपी पुलिस के आने का इंतजार किया गया। यह पहली घटना नहीं है, इससे पहले भी कई बार ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

शिवरीनारायण में विराजित है काली मूर्ति, तपन दूर करने चमेली के तेल से होती है मालिश

मीडिया ऑडिटर(निप्र)
Mediaauditor.in

देश में कई ऐसे मंदिर हैं, जिनकी अलग-अलग धार्मिक मान्यताएं और पौराणिक कथाएं प्रचलित है। प्राचीन और पुरातात्विक प्रदेश छत्तीसगढ़ में भी देवी-देवताओं को लेकर कई अलौकिक प्रतिमाएं हैं। इनमें शिवरीनारायण और रतनपुर जैसे धार्मिक और पुरातात्विक नगर शामिल हैं, जहां हनुमान की अनोखी प्राचीन प्रतिमाएं स्थापित हैं। जिनमें काले हनुमानजी की मूर्ति और देवी स्वरूपा हनुमानजी भी हैं। हिंदू धर्म के लोग भगवान हनुमान की पूजा अर्चना और पाठ करते हैं। अमूमन मंदिरों, चित्रों और मूर्तियों में भगवान हनुमान को केसरिया रंग में ही देखा गया है। उन पर पक्के सिंदूर को चढ़ाने का अलग ही महत्व है। मगर, जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण एक स्थान ऐसा भी है, जहां हनुमान जी कि प्रतिमा काली है। शायद आपको यह बात सुनकर आश्चर्य हो रहा होगा कि हनुमान जी का रंग काला कैसे हो सकता है। मगर, इसके पीछे एक बेहद रोचक कहानी छुपी हुई है। वैसे तो शिवरीनारायण से जुड़ी कई पौराणिक और धार्मिक कथाएं प्रचलित हैं, जिसकी वजह से इसे छत्तीसगढ़ की जगन्नाथपुरी के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इसी स्थान पर प्राचीन समय में भगवान जगन्नाथ जी की तीनों प्रतिमाएं स्थापित रही थी, परंतु बाद में इनको जगन्नाथ पुरी में ले जाया गया था। इसी आस्था के फलस्वरूप माना जाता है कि आज भी साल में एक दिन भगवान जगन्नाथ यहां आते हैं। इसके साथ ही रामायण के समय से यहां शबरी आश्रम स्थित है। पुरानी रामेश्वर दास त्यागी महराज बताते हैं कि मान्यता है कि रामायण काल में जब हनुमानजी ने जब लंका दहन किया, तब वो खुद स्वर्ण महल और भवनों के धुओं से काले पड़ गए और आग की लपटों में झुलस गए। वापस लौटते समय उन्होंने शबरी के आश्रम के पास विश्राम किया, जिसके बाद वो भगवान राम के पास पहुंचे। इसी मान्यता के अनुसार यहां भगवान हनुमान की काली प्रतिमा स्थापित है। यह काले रंग के पत्थर से बना है। इसे लंका दहन हनुमान कहा जाता है। यहां उनकी प्रतिदिन पूजा तिल या चमेली के तेल से की जाती है। उनके शरीर की मालिस की जाती है, ताकि लंका दहन की थकान दूर हो सके। आग से झुलसे व्यक्ति का जिस तरह उपचार किया जाता है और उसकी तपन दूर की जाती है, ठीक उसी विधि से उनकी पूजा की जाती है। यहां हनुमानजी की पूजा करते समय हर दिन तिल या चमेली के तेल से मालिस की जाती है।

संविदा कर्मचारी ने अपनी शादी के लिए दिया अनोखा आवेदन

मीडिया ऑडिटर(निप्र)
Mediaauditor.in

सरगुजा. छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में संविदा कर्मचारी ने अपनी शादी के लिए अनोखा आवेदन लगाया है। आवेदन लिखा है कि मैं 46 साल का हो चुका हूं। मेरी शादी नहीं हुई है। घरवाले भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। कोई अच्छी लड़की देखकर मेरी शादी करवा दो। मिली जानकारी के मुताबिक इस तरह के कई आवेदन आ रहे हैं। इनमें एक युवक ने ससुराल जाने के लिए बाइक की मांग की है। ये दोनों आवेदन महिला एवं बाल विकास के तहत आयोजित सुशासन तिहार कार्यक्रम में आए हैं। यहां लोग अपनी समस्याओं को लेकर हजारों की संख्या में आवेदन कर रहे हैं। दरअसल, आवेदन देने वाले संविदाकर्मी का नाम मनोज टोप्पो है, जो अंबिकापुर ब्लॉक के भफौली का निवासी है। वह एक स्कूल में स्वीपर के पद पर पदस्थ है। सरकारी नौकरी होने के बाद भी उसकी शादी नहीं लग रही है, जिससे मनोज परेशान है। मनोज टोप्पो ने बताया कि, जब वो छोटा था, तभी उसके पिता की मौत हो गई थी। वे 3 भाई और एक बहन हैं, जिनमें से 2 भाई और बहन की शादी हो गई है। मनोज अपनी मां और 2 भतीजों के साथ रहता है। भाई और मां उसके शादी के लिए ध्यान नहीं दे रहे हैं। वे ध्यान देते तो पहले ही शादी हो जाती। मनोज ने बताया कि वह अकेले रहता है, तो उसे अच्छा नहीं लगता, इसलिए भतीजों को अपने घर में साथ रखता है। शायद सरकार सुन ले और शादी करा दे, इसलिए आवेदन दिया है। सरकार से शादी कराने को लेकर उम्मीद है। वहीं दूसरा मामला मैनपाट ब्लॉक के कदनई पंचायत का है। यहां के रहने वाले अजेश कुमार ठाकुर ने भी सुशासन तिहार के कार्यक्रम आवेदन किया है।

धूलभरी आंधी के चलते दिल्ली एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में शुक्रवार देर शाम चली धूलभरी आंधी की वजह से इंदिरा गांधी इंटरनेशल एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स ऑपरेशन में देरी हुई। ये हालात शनिवार सुबह 7 बजे तक बने रहे। इनके ऑपरेशन में औसत देरी 40 मिनट से ज्यादा थी। कई फ्लाइट्स के रूट भी बदले गए। फ्लाइट ऑपरेशन प्रभावित होने के चलते एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में यात्री जमा हो गए और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। यात्रियों को लंबा इंतजार और बार-बार चेकिंग जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ा। दिल्ली एयरपोर्ट अथॉरिटी ने ङ्ग पोस्ट में कहा- हमारी ऑन-ग्राउंड टीमें और सभी हितधारक यात्रियों की किसी भी असुविधा को कम करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। दिल्ली एयरपोर्ट पर अब केवल तीन रनवे ही चालू हैं क्योंकि एक रनवे रखरखाव कार्यों के लिए बंद है। कल रात के मौसम की स्थिति के कारण कुछ उड़ानें अभी भी प्रभावित हैं।

देशभर में यूपीआई सर्विस 3 घंटे डाउन रही

मुंबई (एजेंसी)। देशभर में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआइ सर्विस करीब तीन घंटे डाउन रही। शनिवार सुबह करीब 11ः30 बजे से 1ः00 बजे तक सबसे ज्यादा पेमेंट फेल्योर रिपोर्ट की गई। दोपहर करीब 3ः00 बजे तक पेमेंट करने में दिक्कतें आईं। बीते 20 दिन में यह तीसरी बार है जब ट्रांजैक्शन में समस्या हुई। वेबसाइट और ऑनलाइन सर्विसेज की रियल टाइम स्टेटस बताने वाला प्लेटफॉर्म डाउन डिटेक्टर के अनुसार समस्या फेस कर रहे करीब 81 प्रतिशत लोगों को पेमेंट करने में समस्या आई। 17 प्रतिशत लोगों को फंड ट्रांसफर करने और लगभग 2 प्रतिशत को खरीदारी करने में दिक्कतें हुईं। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने बताया, अभी रुक-रुक कर टेक्निकल इश्यू का सामना करना पड़ रहा है, जिसके चलते यूपीआई ट्रांजैक्शन में दिक्कत आ रही है। हम इस समस्या को हल करने के लिए काम कर रहे हैं और आपको अपडेट रखेंगे। आपको हुई असुविधा के लिए खेद है।

जम्मू-कश्मीर के अखनूर में सेना का जेसीओ शहीद

श्रीनगर/जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-जिले के अखनूर में शनिवार को आतंकवादियों से मुठभेड़ में 9 पंजाब रेजिमेंट के जेसीओ कुलदीप चंद शहीद हो गए। अखनूर के केरी बट्टल इलाके में शुक्रवार देर रात एनकाउंटर शुरू हुआ था। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेरा हुआ है। सेना ने ङ्ग पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। वहीं, शुक्रवार को किश्तवाड़ जिले के घने जंगलों में एनकाउंटर के दौरान सुरक्षाबलों ने शुक्रवार देर रात तक 3 आतंकियों को मार गिराया। ऑपरेशन रात से चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए तीनों आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के हैं। इनमें टॉप कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल है।

गौ-शालाओं से मध्यप्रदेश में गौ-सेवा की लिखेंगे नई इबारत -मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में गौ-संरक्षण और संवर्धन की दिशा में राज्य सरकार द्वारा तेजी से संकल्पबद्ध होकर कार्य किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरे-?द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए गौ-शालाओं के विस्तार के लिए योजनाबद्ध रूप से प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गौ-शालाओं के माध्यम से गौ-सेवा की नई इबारत लिखी जाएगी और प्रदेश में नई दुग्ध क्रांति लाई जाएगी। इससे दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ ही दुग्ध उत्पादकों की आमदनी में भी वृद्धि की जाएगी। हमारा प्रयास है कि दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध के बेहतर दाम मिले। इस दिशा में हम तेजी से प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर जिले के महू-मण्डलेश्वर मार्ग पर स्थित आशापुरा में प्रदेश में हाईटेक कामधेनु गौ-शाला के भूमि-पूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस गौ-शाला में 10 हजार गायों के पालन-पोषण की व्यवस्था रहेगी। यह गौ-शाला लगभग 25 हेक्टेयर क्षेत्र में बनाई जा रही है। इस गौ-शाला का निर्माण इंदौर नगर निगम द्वारा किया जायेगा। इसकी देखरेख की जिम्मेदारी भी नगर निगम ही संभालेंगी। गौ-शाला के संचालन में संत समाज का सहयोग भी लिया जायेगा। गौ-शाला के संचालन में समाजसेवी निस्वार्थ भाव से गौ-सेवा के कार्यों में जुड़ सकेंगे। गायों के पालन और संरक्षण के लिये सभी जरूरी सुविधाएं गौ-शाला में रहेंगी। गौ-शाला क्षेत्र में सघन पौध-रोपण भी किया जायेगा। कार्यक्रम में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, राज्यसभा सदस्य सुश्री कविता पाटीदार, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय, श्री सुमित मिश्रा, श्री श्रवण चावड़ा, श्री निरंजन सिंह चौहान सहित जनप्रतिनिधि और स्वामी श्री अच्युतानंद जी महाराज विशेष रूप से मौजूद रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सभी वर्ग की बेहतरी के लिए राज्य सरकार द्वारा संकल्पबद्ध होकर प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है। कृषि क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए राज्य शासन द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। हमारी सरकार दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के भी निरंतर प्रयास कर रही है।

तहव्वुर 26/11 के मास्टरमाइंड साजिद के संपर्क में था

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2008 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा से राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने शनिवार को दूसरे दिन भी पूछताछ की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राणा ने पूछताछ में बताया कि वह ग्लोबल टेररिस्ट साजिद मीर से लगातार संपर्क में था, जो 26/11 हमलों का मास्टरमाइंड माना जाता है। इसके अलावा पूछताछ में राणा ने दुबई मैन का नाम लिया है, जिसे हमले की पूरी प्लानिंग पता थी। एजेंसी को शक है कि यह व्यक्ति पाकिस्तान और दुबई के बीच नेटवर्क संभालता था

वक्फ कानून का विरोध, मुर्शिदाबाद में 3 की मौत

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल के हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के आदेश दिए हैं। विधानसभा में नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी की याचिका पर कोर्ट ने आदेश जारी किया है। वक्फ कानून के विरोध में राज्य में 10 अप्रैल से हिंसा जारी है।

मुर्शिदाबाद जिले में शनिवार को फिर हिंसा भड़क गई। हिंसक भीड़ ने पीट-पीटकर पिता-बेटे की हत्या कर दी। इनकी पहचान हरगोविंद दास (पिता) और चंदन दास (बेटे) के रूप में हई है। दोनों हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां बनाते थे। वहीं, गोली लगने से एक अन्य घायल हो गया। हिंसा जिले के शमशेरगंज ब्लॉक के धुलियान में हुई।

कल यानी 11 अप्रैल को भी धुलियान में हिंसा भड़की थी। यहां एक व्यक्ति घायल

हो गया था, जिसकी आज अस्पताल में मौत हो गई। लिहाजा मुर्शिदाबाद हिंसा में अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। हिंसाग्रस्त इलाकों में इंटरनेट बंद कर दिया गया है।

(लॉ एंड ऑर्डर) जावेद शमीम ने कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया- आज की घटना का ब्योरा अभी उपलब्ध नहीं है।

आगरा में करणी सेना ने तोड़फोड़ की, हाईवे जाम किया

आगरा (एजेंसी)। आगरा में करणी सेना के सपा सांसद रामजी लाल सुमन के घर कूच करने के ऐलान के बाद हालात बेकाबू हो गए। करणी सेना के कार्यकर्ता उग्र हैं। वे डंडे-तलवारें लहरा रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे हैं। रास्ते में लगी बैरिकेडिंग को उन्होंने लाठी-डंडों से हमला कर तोड़ दिया। इसके बाद नेशनल हाईवे पर जाम लगा दिया। वहीं, करणी सेना युवा विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा ने खास बातचीत में कहा- सुमन के घर जाने में हमें प्रशासन भी नहीं रोक पाएगा। हम अपना काम करेंगे, प्रशासन अपना काम करेगा। हम यहां पूरी तैयारी से हैं। किसी भी हालत में पीछे हटने वाले नहीं हैं। इससे पहले कार्यक्रम स्थल पर पहुंची पुलिस को देखकर करणी सेना के कार्यकर्ता आक्रोशित हो गए। उन्होंने पुलिसकर्मियों को घेर लिया और तलवारें-डंडे लहराने लगे। हालात बिगड़ते देख पुलिस को आयोजन स्थल से बाहर जाना पड़ा। करणी सेना के सपा सांसद के घर कूच करने के ऐलान करने के बीच पुलिस मुस्तैद है। 500 जगहों पर बैरिकेडिंग की गई है। सड़कों पर पत्थर के बड़े-बड़े बोल्डर रखे गए हैं। 10 हजार पीएसी और पुलिस के जवान तैनात हैं। ड्रोन से निगरानी की जा रही है।

22 राज्यों में आंधी-तूफान की चेतावनी, राजस्थान में धूलभरी आंधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग के मुताबिक मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश सहित देश के 22 राज्यों में शनिवार को आंधी-तूफान और बारिश का अलर्ट है। इसमें नॉर्थ ईस्ट के राज्यों असम, मेघालय,अरुणाचल सहित अन्य में तेज बारिश का अनुमान है। आज किसी भी राज्य में हीट वेव का अलर्ट नहीं है। मध्यप्रदेश में 15 अप्रैल तक तेज गर्मी और लू का अलर्ट नहीं है। आज 31 जिलों में तेज आंधी-बारिश की संभावना है, जो अगले 4 दिन तक बनी रहेगी। 3 जिलों में ओले गिर सकते हैं। राजस्थान में धूलभरी आंधी चलेगी। इसके साथ ही हल्की बारिश भी हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक राजस्थान में एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो गया है। इसका असर अगले दो से तीन दिनों तक रहेगा। जयपुर में बिजली,बारिश और ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट है। दिल्ली एयरपोर्ट पर खराब मौसम के कारण

शुक्रवार को 15 से अधिक उड़ानें डायवर्ट की गईं। हिमाचल प्रदेश के चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला और सिरमौर जिलों में आज बारिश हो सकती है। कुल्लू जिले और शिमला के रामपुर को जोड़ने वाले नेशनल हाईवे-305 पूरी तरह बंद हो गया है। इस हाईवे पर मंगलौर में बना पुल बीती रात तीन बजे टूट गया।

गोल्डन टेंपल पहुंचे भारतीय सेना प्रमुख उपेन्द्र द्विवेदी

अमृतसर (एजेंसी)। शिरोमणि कमेटी के सचिव प्रताप सिंह और दरबार साहिब के जनरल मैनेजर भगवंत सिंह धंगेरा ने श्री हरमंदिर साहिब का मॉडल, संत की प्रतिमा और धार्मिक पुस्तकें भेंट की गईं। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने अमृतसर स्थित सचखंड श्री हरमंदिर साहिब में मत्था टेका। इस दौरान उनके साथ पत्नी सुनीता द्विवेदी और परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। मेजर जनरल कार्तिक सी शाद्री भी उनके साथ थे। सूचना अधिकारी एस. रणधीर सिंह ने सेना प्रमुख को श्री हरमंदिर साहिब की रीति-रिवाजों और सिख परंपराओं की जानकारी दी। जनरल

द्विवेदी ने गुरबाणी कीर्तन श्रवण किया। उन्होंने श्री अकाल तख्त साहिब जाकर श्रद्धा व्यक्त की। शिरोमणि कमेटी के सचिव प्रताप सिंह और दरबार साहिब के जनरल मैनेजर भगवंत सिंह धंगेरा ने सेना प्रमुख का स्वागत किया।

सुखबीर बादल फिर बने अकाली दल के प्रधान

अमृतसर (एजेंसी)। सुखबीर सिंह बादल एक बार फिर शिरोमणि अकाली दल के प्रधान बन गए हैं। अमृतसर में गोल्डन टेंपल परिसर में बने तेजा सिंह समुद्री हॉल में पार्टी की बैठक में सर्वसम्मति के साथ इसका फैसला लिया गया। कार्यकारी प्रधान बलविंदर सिंह भूंदड़ ने इस दौरान उनके नाम को प्रपोज किया। इस चुनाव के लिए बादल के खिलाफ किसी ने भी अपना नाम प्रपोज नहीं किया। इसके बाद सर्वसम्मति के साथ सुखबीर बादल को प्रधान

चुन लिया गया। अकाली नेता और इन चुनावों के लिए चुने गए रिटर्निंग ऑफिसर गुलजार सिंह रणिके ने बैठक के बीच बादल के नाम पर मोहर लगा दी। प्रधान चुने जाने के बाद सुखबीर बादल मीडिया के सामने आए। इस दौरान उन्होंने कहा, विरोधी पार्टियों ने क्षेत्रीय पार्टियों को नुकसान पहुंचाने के लिए तख्तों के जत्थेदारों को अपने पक्ष में कर लिया था और बागी गुट के नेता सत्ता के लालच में हैं। बादल ने करीब 5 महीने पहले ऱ्ष्ठ प्रमुख के पद से इस्तीफा दिया था, क्योंकि उन्हें तनखैया घोषित किया गया था। इस दौरान गोल्डन टेंपल में सजा भुगतते हुए उन पर गोली भी चलाने की कोशिश की गई थी, लेकिन वह बच गए थे।

दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर मुठभेड़, 3 नक्सली ढेर

दंतेवाड़ा/बीजापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर के भैरमगढ़ इलाके में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। जवानों ने 3 नक्सलियों को मार गिराया है। तीनों के शव के साथ हथियार भी बरामद किया गया है। दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि बीजापुर के इंद्रावती क्षेत्र के जंगलों में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिसके बाद करीब 400 जवानों को ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया था। जवानों ने 2025 में अब तक 146 नक्सलियों को मार गिराया है। एसपी गौरव राय के मुताबिक, दोनों जिलों का यह जॉइंट ऑपरेशन है। एनकाउंटर में माओवादियों को भारी नुकसान होने की संभावना है। मारे गए 2 नक्सलियों में से एक के 6 जनवरी को हुए बीजापुर जिले के अंबेली ब्लास्ट की घटना में शामिल होने की बात सामने आ रही है। नक्सलियों ने आईडी ब्लास्ट कर जवानों से भरे वाहन को उड़ाया था।

लखनऊ में अंबेडकर की प्रतिमा लगाने पर पथराव

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में शनिवार को बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा सरकारी जमीन पर रखने को लेकर बवाल हो गया। इसे हटाने के विरोध में लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

सैकड़ों महिलाएं-पुरुष इकट्?ठे होकर नारेबाजी करने लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाने की कोशिश की, तो प्रदर्शनकारियों ने पथराव कर दिया। इसमें महिला इंस्पेक्टर

मेनका सिंह समेत 6 लोगों के सिर फूट गए। इसके बाद पुलिस ने पांच राउंड आंसू गैस के गोले छोड़े। हालात काबू करने की कोशिश की जा रही है। घटना लखनऊ कलेक्ट्रेट से करीब 36 किलोमीटर दूर बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र के मवई खातरी गांव की है। यह गांव बीकेटी मेन रोड से 1 किलोमीटर अंदर है। गांव में डीसीपी नार्थ गोपाल चौधरी समेत 12 थानों की फोर्स तैनात है।

सैफ पर हमले के मामले में 1613 पेज की चार्जशीट

मुंबई (एजेंसी)। सैफ अली खान पर हुए हमले के मामले में मुंबई पुलिस ने बांद्रा कोर्ट में 1613 से ज्यादा पेज की चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में कई खुलासे किए गए हैं। सैफ अली खान पर 15 जनवरी की रात करीब ढाई बजे चाकू से हमला किया गया था। चार्जशीट में सैफ की वाइफ करीना कपूर का भी बयान है। एक्ट्रेस ने स्टेटमेंट में कहा कि घटना वाले दिन मैं अपनी दोस्त रिया कपूर से मिलकर रात 1 बजे घर लौटी। करीब 2 बजे जहांगीर की नैनी उनके कमरे से चिल्लाते हुए बाहर आई। नैनी ने बताया था कि जेह बाबा (जहांगीर) के कमरे में एक आदमी है और उसके हाथ में चाकू है। वह पैसे मांग रहा है। इसके बाद करीना और सैफ जहांगीर के कमरे में पहुंचे और हमलावर को देखा। तभी हमलावर ने सैफ पर चाकू से वार किया। इस चार्जशीट में 35 गवाहों के स्टेटमेंट के साथ-साथ 25 सीसीटीवी फुटेज भी शामिल हैं।

नेशनल हेराल्ड केस- ईडी जब्त करेगी 661 करोड़ की संपत्तियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग केस की जांच के दौरान कुर्क संपत्तियों को जब्त करेगी। ईडी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उसने 661 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को कब्जे में लेने के लिए नोटिस जारी किया है। ईडी ने पीएमएलए एक्ट की धारा 8 और एसोसिएटेड नियमों के नियम 5(1) के अनुसार संबंधित संपत्ति रजिस्ट्रार को दस्तावेज सौंपे हैं, जहां ये संपत्तियां हैं। ईडी ने कब्जे में लिए जाने वाले परिसर को खाली करने की मांग की है। 661 करोड़ की इन अचल संपत्तियों के अलावा,छ्वरु के 90.2 करोड़ रुपए के शेयरों को ईडी ने नवंबर 2023 में अपराध की आय को सुरक्षित करने और आरोपी को इसे नष्ट करने से रोकने के लिए कुर्क किया था।

शुक्रवार को दिल्ली के हेराल्ड हाउस (5, बहादुर शाह जफर मार्ग), मुंबई के बांद्रा (ईस्ट) और लखनऊ के बिशेश्वर नाथ रोड स्थित एजेएल की बिल्डिंग पर नोटिस चिपकाए गए हैं।

ईडी ने मुंबई के बांद्रा में हेराल्ड हाउस की 7वीं, 8वीं और 9वीं मंजिल पर स्थित जिंदल साउथ वेस्ट प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को भी नोटिस दिया गया है, कि वह हर महीने किराया/लीज राशि प्रवर्तन निदेशालय के निदेशक के पक्ष में ट्रांसफर करे। जून 2022 में नेशनल हेराल्ड केस में राहुल गांधी से 5 दिनों में 50 घंटे पूछताछ हुई थी। फिर 21 जुलाई 2022 में नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी से 3 दिन में 12 घंटे सवाल हुए थे। इस दौरान उनसे 100 से ज्यादा सवाल किए गए। ईडी ने राहुल गांधी से भी जून में पांच दिनों में 50 घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की थी।

राज्यपाल के बाद राष्ट्रपति पर भी सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपनी तरह के पहले फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने देश के राष्ट्रपति के लिए भी समय सीमा तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल की तरफ से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। दरअसल, 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल के मामले में ऐतिहासिक फैसला लिया था। अदालत ने कहा था कि राज्यपाल को विधानसभा की ओर से भेजे गए बिल पर एक महीने के भीतर फैसला लेना होगा। इसी फैसले के दौरान अदालत ने राज्यपालों की ओर से राष्ट्रपति को भेजे गए बिल पर भी स्थिति स्पष्ट की। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सार्वजनिक किया गया।

शुक्रवार रात वेबसाइट पर अपलोड किए गए ऑर्डर में सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 201 का हवाला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- राज्यपालों की ओर से भेजे गए बिल के मामले में राष्ट्रपति के पास पूर्ण वीटो या पॉकेट वीटो का अधिकार नहीं है। उनके फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है और न्यायपालिका बिल की संवैधानिकता का फैसला न्यायपालिका करेगी।

1. फैसला लेना होगाः सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 201 कहता है कि जब विधानसभा किसी बिल को पास कर दे।

उसे राज्यपाल के पास भेजा जाए और राज्यपाल उसे राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेज दे। इस स्थिति में राष्ट्रपति को बिल पर मंजूरी देनी होगी या फिर बताना होगा कि मंजूरी नहीं दे रहे हैं।

2. ज्यूडिशियल रिव्यूः सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आर्टिकल 201 के तहत राष्ट्रपति का निर्णय की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। अगर बिल में केंद्र सरकार के निर्णय को प्राथमिकता दी गई हो, तो कोर्ट मनमानी या दुर्भावना के आधार पर बिल की समीक्षा करेगा।अदालत ने कहा कि बिल में राज्य की कैबिनेट को प्राथमिकता दी गई हो और राज्यपाल ने विधेयक को मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के विपरीत जाकर फैसला किया हो तो कोर्ट के पास बिल की कानूनी रूप से जांच करने का अधिकार होगा।

3. राज्य को कारण बताने होंगेः सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि जब कोई समय-सीमा तय हो, तो वाजिब टाइम लाइन के भीतर फैसला करना चाहिए। राष्ट्रपति को बिल मिलने के 3 महीने के भीतर फैसला लेना अनिवार्य होगा। यदि देरी होती है, तो देरी के कारण बताने होंगे।

4. बिल बार-बार वापस नहीं भेज सकतेः अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति किसी बिल को राज्य विधानसभा को संशोधन या पुनर्विचार के लिए वापस भेजते हैं। विधानसभा उसे फिर से पास करती है, तो राष्ट्रपति को उस बिल पर फाइनल डिसीजन लेना होगा और बार-बार बिल को लौटाने की प्रक्रिया रोकनी होगी।

विनेश फोगाट ने खेल अकादमी खोलने का किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपियन और पूर्व रेसलर विनेश फोगाट ने घोषणा की है कि वह हरियाणा सरकार से प्राप्त 4 करोड़ रुपए के पुरस्कार को एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल अकादमी स्थापित करने में खर्च करेंगी। यह पुरस्कार उन्हें पेरिस ओलंपिक 2024 में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्रदान किया गया है।

हरियाणा की खेल नीति को देश की बेहतरीन नीतियों में गिना जाता है, जो खिलाड़ियों को तीन विकल्प प्रदान करती है - जमीन, नौकरी या नकद राशि। ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेताओं को 6 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेताओं को 4 करोड़ रुपए और कांस्य पदक विजेताओं को 2.5 करोड़ रुपए दिए जाते हैं। विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक 2024 के 50 किग्रा महिला पहलवानी वर्ग के फाइनल में पहुंची थीं, लेकिन फाइनल से पहले वजन परीक्षण में तय सीमा से थोड़ा अधिक वजन होने के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। इसके बावजूद, हरियाणा सरकार ने उन्हें रजत पदक विजेता के बराबर 4 करोड़ रुपए देने का निर्णय लिया। विनेश ने इस राशि को नकद में लेने का निर्णय लिया और अब इसे अपने वर्षों पुराने सपने को साकार करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय खेल अकादमी खोलने में उपयोग करेंगी। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर विनेश ने लिखा, एक खिलाड़ी की मेहनत को सम्मान देना ही असली जीत है। जनता ने मुझे जो प्यार, भरोसा और ताकत दी, अब वक्त है उसका कर्ज चुकाने का। उन्होंने आगे कहा, अब मेरी ज़िम्मेदारी सिर्फ एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि उन हजारों सपनों की भी है, जो खेल के ज़रिए एक सुरक्षित और सकारात्मक भविष्य की ओर बढ़ना चाहते हैं।विनेश ने बताया कि उनका सपना हमेशा से था कि अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और प्रेरणादायक माहौल मिले, ताकि वे अपनी पूरी क्षमता का एहसास कर सकें। उन्होंने सरकार और जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार राशि सिर्फ एक इनाम नहीं, बल्कि उनके वर्षों से संजोए गए सपने को साकार करने का एक माध्यम है। विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक 2024 में ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनी थीं। हालांकि, वजन सीमा से 100 ग्राम अधिक होने के कारण वे फाइनल में भाग नहीं ले सकीं और बाद में उन्होंने संन्यास की घोषणा की। संन्यास के बाद विनेश राजनीति में भी सक्रिय हो गईं और हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीतकर विधायक बन चुकी हैं।

भारत को मिल सकती है एएफसी एशियन कप 2031 की मेजबानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुआलालंपुर में एएफसी कार्यकारी समिति की मीटिंग में एएफसी अध्यक्ष शेख सलमान बिन इब्राहिम ने कंफर्म किया है कि 27 नवंबर 2024 को सदस्य संघों को भेजे गए निमंत्रण के बाद एक संयुक्त बोली सहित 7 बोलियां मिली हैं। प्रस्तुतियां देने की अंतिम तारीख 31 मार्च, 2025 थी।

भारत के अलावा, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात और कीर्गिस्तान ने बोली प्रस्तुत की है। ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान की संयुक्त बोली हैं।

शेख सलमान ने अभूतपूर्व रुचि की सराहना की और इसका श्रेय टूर्नामेंट के बढ़ते कद को दिया, विशेष रूप से कतर में रिकॉर्ड तोड़ 2023 सीजन के बाद, जिसमें 160 क्षेत्रों में 7.9 बिलियन डिजिटल इंप्रेशन और वैश्विक दर्शक संख्या देखी गई।

वहीं बोली लगाने वाले सभी संघों के साथ एएफसी आवश्यक दस्तावेजों के साथ बातचीत करेगा। इस बातचीत के लिए अफ्रैल महीने के अंत में एक कार्यशाला आयोजित की जाएगी। मेजबान कौन होगा इस पर अंतिम निर्णय 2026 में होगा। एएफसी इसकी मेजबानी पाने का मजबूत दावेदार है।

दिल्ली के तूफान में मैदान छोड़कर भागे मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार को दिल्ली के मौसम ने अचानक अपना मिजाज बदल लिया और शहर भर में धूल आंधी चलने लगी। तेज हवाएं चलने लगी। इस दौरान दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी प्रैक्टिस कर रहे थे। तेज आंधी-तूफान के कारण स्टेडियम में लगे होर्डिंग भी उतरने की स्थिति में हो गए, इस दौरान सभी खिलाड़ियों को दौड़कर बाहर जाना पड़ा।

आईपीएल के 18वें सीजन में अरुण जेटली स्टेडियम में पहला मैच 13 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेला जाएगा। इस मैच के लिए हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस शुक्रवार को अभ्यास करने स्टेडियम पहुंची, लेकिन कुछ समय में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया। मुंबई इंडियंस ने इस दौरान का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया। इसमें देखा जा रहा है कि, रोहित शर्मा अपने टीम के खिलाड़ियों को कमबैक कह रहे हैं। जैसे ही कैमरा मैन उन पर फोकस करता है वह हंसते हुए कहते हैं कि मुझपर क्या फोकस कर रहा है वहां फोकस कर। दरअसल, वो कैमरा मैन से स्टेडियम में लगे उड़ रहे होर्डिंग पर फोकस करने को कह रहे हैं।

फिलहाल, दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच रविवार, 13 अप्रैल को अरुण जेटली स्टेडियम में आईपीएल का मुकाबला खेला जाएगा। ये इस ग्राउंड पर इस सीजन का पहला मैच होगा। जहां दिल्ली ने अभी तक खेले गए अपने चारों मैचों में जीता हासिल की है तो मुंबई इंडियंस जीत की तलाश में है।

आरसीबी की हार पर बिफरे दिनेश कार्तिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरसीबी ने आईपीएल2025 में अभी तक पांच मैच खेले हैं। जिनमें उसे महज तीन में ही जीत तो दो में हार झेलनी पड़ी है। आरसीबी ने बैंगलोर में खेले दो मैचों में हार का सामना किया है। उसे दिल्ली कैपिटल्स ने 6 विकेट से रौंदा। आरसीबी की हार के बाद दिनेश कार्तिक ने पिच पर प्रतिक्रिया दी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कार्तिक ने कहा कि वे पिच क्यूरेटर से बात करेंगे। कार्तिक ने पिच के मामले पर प्रतिक्रिया दी है। हिन्दुस्तान टाइटम्स की खबर के मुताबिक कार्तिक ने कहा कि, हमें उम्मीद थी कि पहले दो मैचों में अच्छी पिच मिलेगी। लेकिन यहां बल्लेबाजी करना चुनौतीपूर्ण रहा। हमें जैसी भी परिस्थिति मिलती है, अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं। लेकिन हम उनसे बात करेंगे, हमें भरोसा है कि वह अपना काम करेंगे। अभी तक ऐसी पिच मिली है जिस पर बल्लेबाजों को मदद नहीं मिली है। वहीं आरसीबी फिलहाल पॉइंट्स टेबल में तीसरे पायदान पर है। उसने 5 मैच खेले हैं और तीन जीते हैं। आरसीबी को दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। आरसीबी ने कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस को हराया था।

गहन चिंतन की जरूरत, गलती सुधारनी होगी-धोनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एकतरफा मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से मिली हार के बाद कहा कि टीम को गहन चिंतन की जरूरत है और खिलाड़ियों को गलती देखकर सुधारनी होगी। केकेआर ने सुनील नारायण (13 रन देकर तीन विकेट, 44 रन) के हरफनमौला प्रदर्शन और शानदार गेंदबाजी से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 59 गेंद रहते आठ विकेट से हरा दिया। नारायण मैन ऑफ द मैच रहे। मैच के बाद धोनी ने कहा, '' बस आज ही नहीं इस सत्र में कई बार चीजें हमारे पक्ष में नहीं गई हैं। हमें देखना होगा कि हम कहां गलती कर रहे हैं और उन्हें सुधारना होगा।

हमें गहन चिंतन की ज़रूरत है।'' उन्होंने कहा, ''स्थिति चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमें उससे निपटना चाहिए था। स्कोरबोर्ड पर पर्याप्त रन नहीं थे। गेंद रुक कर आ रही थी और वैसे स्पिन आक्रमण के सामने यह मुश्किल होता है। आप विकेट गंवा देते हैं तो मैच में वापस आना मुश्किल होता है।'' धोनी ने कहा, '' हमारे पास बेहतरीन सलामी बल्लेबाज हैं। पर जरूरी है कि स्कोरबोर्ड को देखकर हम अपने ऊपर दबाव नहीं लें।'' सीएसके की यह लगातार पांचवीं हार थी। चेपॉक में अब तक के अपने न्यूनतम स्कोर पर सिमटने के बाद पहली बार उसे अपने घरेलू मैदान पर लगातार तीसरी हार मिली। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सीएसके के लिए कुछ भी सही नहीं रहा और केकेआर की शानदार गेंदबाजी के सामने नौ विकेट पर 103 रन ही बना सकी।

केकेआर ने नारायण की 18 गेंद में दो चौके और पांच छक्के जड़ित 44 रन की पारी से यह लक्ष्य 10.1 ओवर में दो विकेट पर 107 रन बनाकर हासिल कर लिया। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा, ''मैं यहां खेल चुका हूं, मोईन खेल चुके हैं और डीजे (ब्रावो) को भी यहां की परिस्थितियों के बारे में पता था। हम रणनीति के साथ उतरे थे।'

जेम्स एंडरसन को मिलेगा नाइटहुड, क्रिकेट में योगादान के लिए सबसे बड़ा सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर जेम्स एंडरसन को देश के सबसे बड़े सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। एंडरसन को क्रिकेट में उनके सराहनीय योगदान के लिए नाइटहुड का सम्मान दिया जाएगा। एंडरसन ने अंतर्राष्ट्रीय टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने इस्तीफा देते वक्त कुछ पुरस्कारों की घोषणा की थी। इन नामों में नाइटहुड के लिए जेम्स एंडरसन का ना भी शामिल था।

एंडरसन ने अपने करियर में कुल 188 टेस्ट मैच खेले हैं। ये किसी तेज गेंदबाज द्वारा खेले गए टेस्ट मैचों की सबसे ज्यादा संख्या है। उनसे ज्यादा टेस्ट मैच सचिन तेंदुलकर ने खेले हैं। जेम्स एंडरसन ने अपना आखिरी टेस्ट मैच जुलाई 2024 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ लॉर्ड्स में खेला था। मई 2003 में 20 साल की उम्र में यहीं पर एंडरसन ने जिम्बॉब्वे के खिलाफ डेब्यू किया था। एंडरसन ने साल 2015 से व्हाइट बॉल क्रिकेट नहीं खेली है। इसके वाबजूद वह वनडे में देश के लीडिंग विकेट टेकर बने हुए हैं। उन्होंने टी20 में भी 18 विकेट लिए हैं और 1000 विकेट से कुछ ही दूर रह गए। जिमी के नाम कुल 991 विकेट हैं।

2024 के आम चुनाव में हार के बाद ऋषि सुनक को प्रधानमंत्री पद छोड़ना पड़ा था। पिछले साल अप्रैल में ऋषि सुनक ने नेट्स में जेम्स एंडरसन की गेंदबाजी का सामना किया था। इस दौरान उन्होंने ग्रासरूट क्रिकेट में 35 मिलियन के सरकारी निवेश का ऐलान किया था। एंडरसन के अलावा पांच अन्य लोगों के लिए भी नाइटहुड का ऐलान किया था।

अर्जुन फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में नेपोमनियाचची से हारे

नई दिल्ली (एजेंसी)। जर्मनी के युवा ग्रैंडमास्टर विन्सेंट कीमर ने पहले दौर के टाईब्रेकर में नेपोमनियाचची को हराकर सराहनीय प्रदर्शन किया। इस साल की शुरुआत में जर्मनी में आयोजित पहले ग्रैंड स्लैम के विजेता कीमर ने अमेरिकी स्टार हिकारू नाकामुरा को काले मोहरों से ड्रॉ पर रोककर प्रभावित करना जारी रखा। भारत की उम्मीदें क्वार्टर फाइनल में खत्म हो गईं थीं। लेकिन अर्जुन ने नेपोमनियाचची के खिलाफ कुछ अच्छी चाल चलीं। लेकिन रूस का खिलाड़ी काफी संयमित होकर खेला। मैग्नस कार्लसन को अमेरिकी फैबियानो कारुआना ने ड्रॉ पर रोका जबकि नाकामुरा ने कीमर के साथ अंक बांटे।

चेन्नई सुपर किंग्स को नहीं बचा पाया धोनी का मैजिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स को लगातार पांचवें मुकाबले में हार झेलनी पड़ी। आईपीएल के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब चेन्नई ने लगातार इतने मुकाबले हारे हैं। चेपॉक में चेन्नई ने लगातार तीसरा मुकाबला गंवाया है, जो कि पहली बार हुआ है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने शुक्रवार को आईपीएल 2025 के 25वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से करारी शिकस्त मिली है। इस हार के साथ चेन्नी सुपर किंग्स के लिए आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंचने की राह मुश्किल हो गई है।

केकेआर ने शुक्रवार को आईपीएल 2025 के 25वं मुकाबले में सीएसके को 59 गेंद शेष रहते आठ विकेट से मात दी। केकेआर की 6 मैचों में ये तीसरी जीत है। 104 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए क्विंटन डी कॉक और सुनील नरेन की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए

पहले विकेट के लिए 46 रन जोड़े। पांचवें ओवर में अंशुल कम्बोज ने क्विंटन डिकॉक को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ने का काम किया। इसके बाद आठवें ओवर की पहली गेंद पर नूर अहमद ने सीएसके को दूसरी सफलता दिलाई। नूर ने सुनील नरेन को आउट किया। इस दौरान सुनील ने दो चौके और पांछ छक्के के दम पर 18 गेंदों में 44 रन बनाए। कप्तान अजिंक्य रहाणे (20) और रिंकू सिंह (15) रन बनाकर नाबाद रहे। केकेआर ने इस लश्र्य को 10.1 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया था। वहीं चेन्नई की ये लगातार पांचवीं हार है। चेन्नई की ओर से अंशुल कंबोज और नूर अहमद ने 1-1 विकेट लिया।

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसने 16 के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए। डेवन कॉन्वे (12) को मोईन अली ने एलबीडब्ल्यू करके केकेआर को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद पांचवें ओवर में हर्षित राणा ने रचिन रविंद्र (4) को आउट कर सीएसके को दूसरा झटका दिया। इसके बाद विजय शंकर और शिवम दुबे ने पारी को संभालने की कोशिश की।

दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 43 रनों की अहम साझेदारी हुई। 10वें ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने विजय शंकर 21 गेंद में 29 रन को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स ने महज 20 रन जोड़ कर अपने पांच विकेट गंवा दिए। 17.2 ओवर में चेन्नई के 79 रन पर 9 विकेट गिर चुके थे। ऐसे में शिवम दुबे और अंशुल कंबोज ने संघर्ष करते हुए टीम के स्कोर को 100 के पार पहुंचाया।

शिवम दुबे 29 गेंदों में 31 रन बनाकर नाबाद रहे। कम्बोज ने नाबाद तीन रन बनाए। इन दोनों ने आखिरी विकेट के लिए 34 रनों की अवजित साझेदारी की। केकेआर के लिए सुनील नरेन ने 3 विकेट, हर्षित और वरुण ने 2-2 विकेट लिए। वैभव अरोड़ा और मोईन अली ने एक-एक रनआउट किया।

विराट कोहली ने ठुकराया प्यूमा का 300 करोड़ रुपये का ऑफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली मौजूदा समय में आईपीएल 2025 खेल रहे हैं। वह आरसीबी टीम का अहम हिस्सा हैं। वहीं अब खबर है कि, विराट कोहली ने खेल उत्पाद कंपनी प्यूमा के साथ अपना करार खत्म कर दिया है। अब इस कॉन्ट्रैक्ट को लेकर एक और खबर आई है, इसमें बताया गया है कि कंपनी तो चाहती थी कि विराट कोहली उनके साथ आगे भी करार करे लेकिन कोहली ने ऐसा नहीं किया। इसके पीछे का कारण भी सामने आया है। विराट कोहली अपने प्यूमा के साथ करार खत्म करने के कारण चर्चा में हैं। बता दें कि, कोहली 2017 से यानी 8 सालों से प्यूमा के साथ हैं और उस दौरान उन्होंने 110 करोड़ रुपये का करार किया था। अब नई खबर के अनुसार कंपनी ने विराट कोहली को अगले करार के लिए 300 करोड़ रुपये का प्रस्ताव दिया था

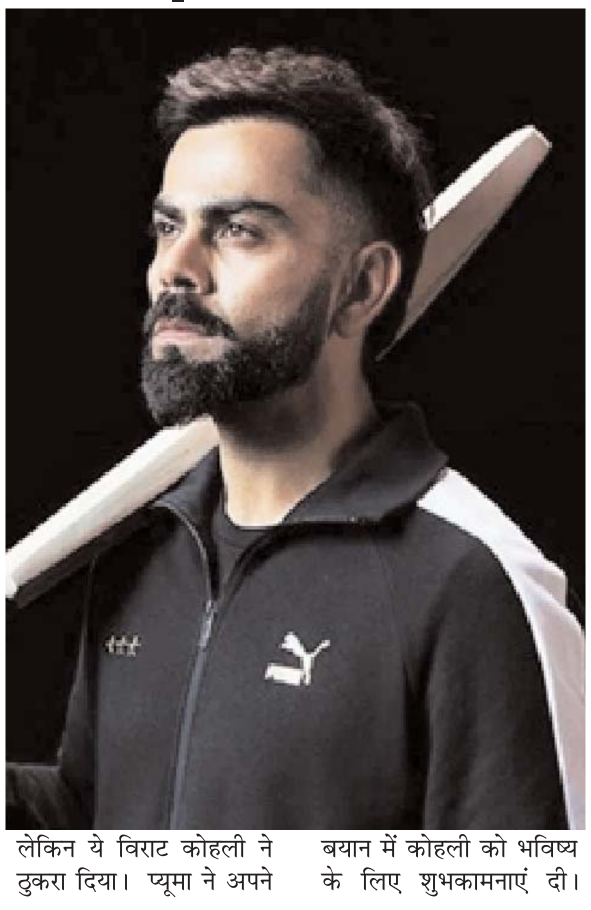

लेकिन ये विराट कोहली ने ठुकरा दिया। प्यूमा ने अपने बयान में कोहली को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। कंपनी ने उनके साथ बिताए समय को यादगार और अपने लिए फायदेमंद बताया। मीडिया रिपोर्ट्स में कंपनी के बयान के हवाले से कहा गया है कि, इस करार के दौरान हमने उनके साथ कई असाधारण अभियान शुरू किए, तो नए और बेहतरीन उत्पादों को बाजार में उतारा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, कोहली का कामकाज स्पोर्टिंग बियॉन्ड नाम की एक फर्म देखती है। रिपोर्ट के सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि कोहली अब अन्य कंपनी एजिलिटास के साथ पार्टनरशिप करने जा रहे हैं। कोहली इसके को-फाउंडर भी हैं। कोहली अपने ब्रांड श्ठ्ठ8 ष्द्वद्गह्लठ्ठद्ग को वैश्विक स्तर पर ले जाना चाहते हैं। इसके साफ है कि विराट कोहली क्रिकेट के बाद अपने बिजनेस पर ज्यादा फोकस करेंगे, जिसकी प्लानिंग वह अभी से कर रहे हैं।

राजधानी भोपाल से ऑपरेट हो रहा रीवा आरटीओ का उड़नदस्ता वाहन

'मैडम' की नौकरी में 'सर' दे रहे योगदान

पद से हटने के बाद भी बना है कमाई का मोह

उड़नदस्ता आरटीओ प्रभारी की कुर्सी संभाल रहे पुराने साहब, कुर्सी में बने रहने कर दी सेटिंग की राशि में बढ़ोत्तरी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आरटीओ विभाग की अवैध कमाई का मुख्य केंद्र उड़नदस्ता वाहन जो रीवा की सड़कों पर घूमकर बेवजह ही लोगों को परेशान कर उनसे पैसे ऐंठने का काम करता है उसका रिमोट कंट्रोल इन दिनों राजधानी भोपाल से ऑपरेट हो रहा है। जिसके चलते सड़कों पर चल रही हैवी वाहनों के मालिकों की परेशानी में इजाफा हो रहा है क्योंकि भोपाल से ऑपरेट होने के कारण उड़नदस्ता वाहन की रेट सूची में वृद्धि हो गई है और अब वाहन मालिक दिक्कतों का सामना करने मजबूर होते हैं।

दरअसल रीवा आरटीओ का उड़नदस्ता वाहन प्रभारी इन दिनों एक मैडम साहिबा को बनाया गया है परंतु वह इस तरह की अवैध कमाई के खुद को माहिर नहीं समझती जिसके चलते पूर्व में उड़नदस्ता वाहन के प्रभारी रहे साहब ने उसका चार्ज खुद ही संभाल लिया तथा वह साहब ही मैदान को भी घर बैठे पेमेंट पहुंचाने का काम करते हैं।

बताया जा रहा है कि आरटीओ की जिस उड़नदस्ता वाहन का जिक्र हम कर रहे हैं उस वाहन के कुल मुखिया 2 से 3 प्रायवेट व्यक्तियों को बनाया गया है जिनकी मौजूदगी में ही उड़नदस्ता वाहन में सवार 2 मुंशी स्तर के कर्मचारियों के द्वारा अपने प्रभाव और वर्दी को दिखाकर पहले तो वाहनों को रोका जाता है तथा बाद में आगे की डीलिंग के लिए प्रायवेट व्यक्तियों को आगे कर दिया जाता है जो वाहनों। से बिना पर्ची के ही सांठ गांठ करने का काम करते है और कोई भी वाहन चालक मैनेजमेंट के लिए तैयार नहीं हुए तो साहब लोग चलानी पर्ची का डर दिखाकर लोगों से पैसे ऐंठ लेते हैं। और मजे की बात तो यह है कि इस उड़नदस्ता वाहन का ऑपरेटिंग रिमोट राजधानी भोपाल से चलता है जहां इस वाहन के पूर्व में प्रभारी रहे साहब को अटैचमेंट किया गया है अब वह साहब भोपाल से ही अपनी डीलिंग एक्टिव रखते हैं जबकि उन्हें रीवा के इस वाहन से मात्र इसलिए ही हटाया गया था कि इन्होंने यहां के लोगों को परेशान कर दिया था। बावजूद इसके साहब की डीलिंग में कोई कमी नहीं आई और वर्तमान प्रभारी बनी मैडम की नौकरी को भोपाल में बैठकर ही वह चला रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक पुराने साहब आरटीओ की उड़नदस्ता वाहन के मैनेजमेंट से महीनों की लाखों रुपए की कमाई कर रहे हैं जिसे देखने वाला कोई भी अधिकारी नहीं है तथा उनके ही द्वारा रोज की लाई गई रकम से मैडम जी की तनख्वाह का भी हिस्सा मिलता है जिसके बाद सभी कर्मचारी घर को रवाना हो जाते हैं।

ट्रक मालिकों की मानें तो साहब ने अपनी सेटिंग में सड़क पर चलने वाली वाहनों के लिए 5000 रुपए का रेट फिक्स किया है अगर उनके द्वारा फिक्स किए गए रेट में कोई ऊंचनीच हो गई तो फिर वाहन मालिक को सीधे अप्रमाणित पर्ची से होकर ही गुजरना होगा जिसकी राशि फिर 10 हजार के ऊपर चली जाती है और साहब की सेटिंग किसी गैर नियम के साथ चलने वाले वाहनों के लिए नहीं है उन्होंने तो प्रत्येक वाहनों के लिए ही अपना दाम फिक्स किया हुआ है फिर चाहे वाहन नियम से चले या बिना नियम।

आपको बता दें हालही में पुराने साहब को इस तरह की अवैध कमाई की शिकायत पर ही भोपाल कार्यालय अटैच किया गया था जिसके बाद एक मैडम को उड़नदस्ता वाहन के प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी परन्तु मैडम ने तो चार्ज लिया ही नहीं क्योंकि स्थानांतरण के बावजूद साहब मन लगाकर रीवा में ही अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं।

गुप्ता पेट्रोल पंप में सीएनजी गैस का रिसाव, मची अफरा तफरी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत झीरिया के समीप संचालित गुप्ता पेट्रोल पंप के आसपास उस वक्त अफरातफरी का माहौल निर्मित हो गया जब वहां से गुजर रहे लोगों को गैस की दुर्गंध आने लगी। इसी दौरान पता चला कि गुप्ता पेट्रोल पंप में लगे हुए सीएनजी गैस प्लांट में लीकेज हो गया है, जिसकी वजह से यह दुर्गंध फैली हुई है। यह घटना दोपहर करीब 12 की है।जिसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने यातायात पर पूरी तरह से रोक लगा दिया और व्यवस्था को बनाए रखा। इसी दौरान मौके पर पहुंची कंपनी की टेक्निकल टीम ने सीएनजी गैस के लीकेज को बंद कर सुधार कार्य शुरू किया।

चिरहुलानाथ मंदिर में मासूम बच्चे ने पेश की ईमानदारी की मिसाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के चिरहुलानाथ मंदिर में एक मासूम बच्चे ने ईमानदारी की बड़ी मिसाल पेश की है। बच्चे को यहां पर लावारिस हालत में एक पर्स पड़ा मिला। जिस पर रुपए और दस्तावेज रखे हुए थे। बच्चे ने उस पर्स को अपने साथ घर ले जाने की बजाय मौके पर मौजूद अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल को दिया। जिसके बाद थाना प्रभारी ने मंदिर में लगे माइक की मदद से अलाउंस कर पर्स को उसके मालिक को वापस लौटाया। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर अमहिया थाना प्रभारी ने बताया कि आज हनुमान जयंती के चलते मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई है। श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच एक 14 वर्षीय मासूम बच्चा उनके पास आया और लावारिस हालत में मिले पर्स को उन्हें दिया, बच्चे ने बताया कि यह पर्स उसे लावारिस हालत में मंदिर परिसर के अंदर पड़ा मिला है। जिसमें रुपये और दस्तावेज रखे थे। थाना प्रभारी ने बताया कि दस्तावेजों को देखकर मालिक के बारे में पता चला, जिसके बाद मंदिर में लगे माइक से अलाउंस कराकर पर्स मालिक चेतन आसनानी को मौके पर बुलाकर वापस किया गया। चेतन ने जब अपने पर्स को चेक किया तो उसमें उनके पूरे पैसे और डॉक्यूमेंट्स मौजूद थे। जिसके बाद उन्होंने मासूम बच्चे को वहीं पर पुरस्कृत किया और अपना पर्स लेकर वापस चले गए।

स्पा सेंटरों में कार्रवाई के बाद दिखा खौफ, संलिप्त लोगों ने छोड़ा शहर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।अमहिया थाना क्षेत्र में बजरंग नगर गेट के सामने और खुटेही में एक साथ दो स्पा सेंटरों में पुलिस ने रेड की। शुक्रवार रात हुई इस रेड में दोनों जगहों से 3 युवतियों के साथ 2 युवक मिले। युवकों को हिरासत में लिया गया है। वहीं पीड़ित युवतियों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस की रेड के बाद एक स्पा सेंटर का संचालक मौके से फरार हो गया। सीएसपी शिवाली चतुर्वेदी ने बताया कि रीवा पुलिस के द्वारा दो स्पा सेंटरों में बड़ी कार्रवाई की गई है। बजरंग नगर गेट के सामने और खुटेही में स्पा सेंटर संचालित थे। जहां अनैतिक गतिविधियां संचालित होने की सूचना मिल रही थी। कार्रवाई को अंजाम देने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर चार टीमों का गठन किया गया। जिनका नेतृत्व सीएसपी शिवाली तिवारी कर रही थीं। टीम में उनके साथ थाना प्रभारी हितेंद्र नाथ शर्मा, अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल, महिला थाना प्रभारी निशा मिश्रा भी मौजूद थी।

बतादें कि बीती शाम हुई कार्रवाई के बाद अन्य स्पा सेंटर संचालकों में भी खौफ दिख रहा है। शनिवार को कई स्पा सेंटर बंद मिले। इन सेंटरों में काम करने वाली कई बाहरी महिलाएं शहर छोड़ चुकी हैं। वहीं संचालक भी भूमिगत हो गए हैं। पुलिस द्वारा बताया गया है कि, अब निरंतर यह कार्रवाई जारी रहेगी।

जुगनाहाई टोल प्लाजा के समीप सड़क हादसा, टक्कर मार कार पलटी कार 9 लोग घायल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र अंतर्गत जुगनाहाई टोल प्लाजा के समीप आज सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में 9 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के संबंध में उत्तर प्रदेश की बनारस निवासी निशा कुमारी ने बताया कि वह अपने पति सहित अन्य लोगों के साथ पिकअप में सवार होकर बनारस जा रही थी। इसी दौरान जुगनहाई टोल प्लाजा के समीप पिकअप वाहन रुका और सब लोग नीचे उतर आए। तभी रॉन्ग साइड में पीछे से तेज रफ्तार से आ रही कार ने चार लोगों को टक्कर मारते हुए पलट गई। जिससे कार सवार पांच लोग घायल हुए हैं। वहीं कार की टक्कर लगने के कारण पिकअप सवार चार लोग भी घायल हुए हैं। कार सवार लोग मैहर से दर्शन कर वापस लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया।

मैहर से दर्शन कर रीवा लौट रहे परिवार की कार जेसीबी से टकराई

मैहर से मां शारदा के दर्शन कर वापस आ रही श्रद्धालुओं से भरी कार अमरपाटन के समीप हाईवे में खड़ी जेसीबी में जा घुसी। अचानक हुए इस हादसे में एक ही परिवार के आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को हाईवे एंबुलेंस की मदद से उपचार के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल हुए लोग रीवा के पनवार थाना क्षेत्र स्थित खाजा गांव के बताए गए हैं, जो दर्शन करने के लिए मैहर देवी मंदिर गए थे और वापस आते समय सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए। घायलों में शिवशरण पांडे उनकी पत्नी सहित दामाद संजय तिवारी, जितेंद्र मिश्रा एवं लड़की संजुला और अर्चना तिवारी और एक बच्ची शामिल है। घायलों में तीन लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा दोपहर करीब एक बजे हुआ। बताया जा रहा है कि कार की रफ्तार काफी तेज थी जिसके कारण चालक गाड़ी में नियंत्रण नहीं रख पाया और हादसा हो गया।

संभाग की रेल परियोजना के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय रीवा में आयोजित बैठक में [ड्डस्रस्र] कमिश्नर बीएस जामोद ने ललितपुर सिंगरौली रेलवे लाइन में सतना, रीवा, सीधी और सिंगरौली में चल रहे कार्यों की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में भू अर्जन का कार्य लगभग पूरा हो गया है। न्यायालयीन प्रकरण अथवा अन्य कारणों से जो प्रकरण शेष हैं उनका भी निराकरण किया जा रहा है। सभी कलेक्टर भू अर्जन प्रकरणों के निराकरण की हर सप्ताह समीक्षा करें। शासन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए भू अर्जन की कार्यवाही पूरी करें। भू अर्जन करते समय विस्थापित परिवारों के हितों का भी पूरा ध्यान रखें। निर्माण कार्यों के लिए जमीन प्राप्त होने के बाद रेलवे तत्काल उस पर निर्माण कार्य शुरू करे। निर्माण कार्य में देरी होने से कई तरह की कठिनाईयाँ उत्पन्न हो जाती हैं। बतादें कि रीवा से बघवार तक रेलवे लाइन बिछाने का कार्य पूरा हो गया है। सीधी जिले में शेष क्षेत्र में लाइन बिछाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

ज्ञानोदय विद्यालय में प्रवेश के आवेदन 21 तक

रीवा. जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय रीवा में शिक्षा सत्र 2024-25 में कक्षा 7वीं, 8वीं और 9वीं में प्रवेश के लिए 21 अप्रैल को शाम 4 बजे तक आवेदन किया जा सकता है। स्कूल में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 7वीं में बालकों के लिए 12 तथा बालिकाओं के लिए 10, कक्षा 8वीं में बालकों के लिए 4 तथा बालिकाओं के लिए 16 एवं कक्षा 9वीं में बालकों के लिए 3 तथा बालिकाओं के लिए एक स्थान रिक्त है। सामान्य श्रेणी के बीपीएल परिवार, अन्य पिछड़ावर्ग एवं अनुसूचित जनजाति के लिए कक्षा 7वीं में बालकों के लिए 2 तथा बालिकाओं के लिए 4, कक्षा 8वीं में बालक के लिए एक एवं बालिकाओं के लिए 2 एवं कक्षा 9वीं में केवल बालिकाओं के लिए 4 स्थान रिक्त हैं। रिक्त स्थानों में परिवर्तन हो सकता है।

फूल की दुकानों को हटाने का विरोध, बंद की दुकानें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर की फूल मंडी कहे जाने वाले कोठी कम्पाउंड में साईं मंदिर से लेकर मनकामेश्वर मंदिर तक की दुकानों को हटाया जाना है। जिसका विरोध फूल दुकान संचालकों ने शुरू कर दिया है। शनिवार को दुकानदारों ने फूल नहीं बेचा और दुकान बंद कर अपना विरोध प्रदर्शन किया।

इस पूरे मामले को लेकर फूल विक्रेताओं का कहना है कि यहां पर साईं मंदिर से लेकर कोठी मंदिर तकरीबन 50 से 60 व्यापारी दुकान संचालित करते हैं और फूल बेचकर अपनी रोजीरोटी चलाते हैं। नगर निगम द्वारा यह सभी दुकानें यहां से हटाई जानी है। दुकान संचालकों ने कहा कि हम दुकान हटाने का विरोध नहीं कर रहे हैं बल्कि दुकान हटाने के बाद हम फूल विक्रेताओं को कोई स्थाई जगह और स्थाई दुकान दी जाए। दुकान संचालकों ने कहा कि उन्हें पहले भी कई बार विभिन्न जगहों से हटाया जा चुका है जिससे उनका व्यवसाय प्रभावित होता है। इसलिए अब वह निराकरण चाहते हैं।

कन्या शिक्षा परिसर में प्रवेश के लिए 15 अप्रैल तक

रीवा. जनजातीय कार्य विभाग द्वारा शासकीय कन्या शिक्षा परिसर का संचालन किया जा रहा है। इसमें शिक्षा सत्र 2025-26 के लिए अनुसूचित जनजाति की छात्राओं को कक्षा सातवी और कक्षा नौंवी में प्रवेश का अवसर दिया रहा है। इसके लिए आवेदन 15 अप्रैल तक कार्यालयीन समय में कन्या शिक्षा परिसर में जमा किए जा सकते हैं। इस संबंध में प्राचार्य ने बताया कि अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के लिए कक्षा सात में 19 सीटें तथा कक्षा 9 में 16 सीटें रिक्त हैं। आवेदन पत्र के साथ जन्म प्रमाण पत्र, हितग्राही प्रोफाइल पंजीयन, समग्र आईडी, पासपोर्ट आकार की 6 फोटो तथा जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। परीक्षा में मेरिट सूची के आधार पर छात्राओं को प्रवेश दिया जाएगा।

सैनिक सम्मान के साथ आज होगा शहीद अजय विश्वकर्मा का अंतिम संस्कार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के ग्राम मढ़ीखुर्द निवासी अजय विश्वकर्मा सैन्य कार्रवाई के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका 11 अप्रैल को उपचार के दौरान रूड़की में दुखद निधन हो गया। शहीद अजय विश्वकर्मा भारतीय सेना की 119 एसाल्ट इंजीनियर रेजीमेंट में कार्यरत थे। शहीद अजय विश्वकर्मा का उनके गृह ग्राम मढ़ीखुर्द तहसील मनगवां में पूरे सैनिक सम्मान के साथ 13 अप्रैल को अंतिम संस्कार किया जाएगा। शहीद को अंतिम विदाई देने के लिए सूबेदार सत्यानारायण शर्मा के नेतृत्व में सेना का दल उपस्थित रहेगा।

सतना में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने तीन राहगीरों को मारी टक्कर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सतना के पन्ना मार्ग स्थित पतेरी चौराहे पर शुक्रवार की देर रात करीब 11 बजे एक काली स्कॉर्पियो ने तीन राहगीरों को टक्कर मार दी। घटना के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पतेरी कालोनी की ओर से आई तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने चौराहे पर एक के बाद एक तीन राहगीरों को टक्कर मारी और सिविल लाइन चौराहे की तरफ भाग निकली। मौके पर मौजूद सिविल लाइन थाने के कॉन्स्टेबल अंकेश मरमट ने वाहन का पीछा किया, लेकिन चालक स्कॉर्पियो को तेज गति से बगहा की ओर ले गया। कॉन्स्टेबल मरमट ने बताया कि वापस लौटकर वह घायलों को जिला अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्कॉर्पियो का चालक नशे की हालत में दिख रहा था। पुलिस स्मार्ट सिटी के कैमरों के फुटेज की जांच कर स्कॉर्पियो और चालक की पहचान करने में जुटी है।

हनुमान जयंती पर प्रसिद्ध चिरहुलानाथ मंदिर में रात तक भक्तों का लगा तांता

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हनुमान जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है। [] रीवा के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर चिरहुलानाथ के पट आज भक्तों के दर्शन के लिए सुबह साढ़े तीन बजे ही खोल दिए गए। हजारों की संख्या में भक्त भगवान चिरहुलानाथ के दर्शनों के लिए पहुंचे।

मंदिर में शनिवार सुबह से ही अनुष्ठानों का क्रम जारी है। चिरहुलानाथ मंदिर को रंग-बिरंगे गुब्बारे और फूलों से सजाया गया है। मंदिर प्रबंधन के मुताबिक देर रात तक मंदिर में करीब एक लाख लोगों के पहुंचने की संभावना है। मंदिर के मुख्य पुजारी ने बताया कि आज चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि है। आज पूरे देश में हनुमान जन्मोत्सव धूम-धाम से मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि, हनुमान जी कलयुग के देवता हैं और जल्द प्रसन्न होने वाले भगवान हैं। हनुमान जी को अष्ट सिद्धि और नौ निधि के दाता के रूप में जाना जाता है। चिरहुला मंदिर लोगों की आस्था का केंद्र है जो जिला कोर्ट के नाम से भी जाना जाता है। यही वजह है कि यहां 12 महीने विंध्य के कोने-कोने से आने वाले भक्तों की भीड़ बनी रहती है।

सतना में पुस्तक मेला, किताब, कॉपी और यूनिफॉर्म एक ही जगह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सतना में नए शैक्षणिक सत्र 2025-26 की तैयारियों को लेकर जिला स्तरीय पुस्तक एवं गणवेश मेले की शुरुआत हो चुकी है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की पहल पर यह मेला 12 अप्रैल से 14 अप्रैल तक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-2 में आयोजित किया जा रहा है।

मेले में विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए एक ही स्थान पर एनसीईआरटी किताबें, यूनिफॉर्म, स्टेशनरी, कॉपी और अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उचित मूल्य पर उपलब्ध कराई जा रही है। इसके साथ ही कुछ दुकानदारों ने 12 कॉपी खरीदने पर 12 कॉपी मुफ्त देने का आकर्षक ऑफर भी दिया है।

जिला शिक्षा अधिकारी टीपी सिंह ने बताया कि जिले के सभी स्कूल संचालकों को एनसीईआरटी की किताबें अनिवार्य रूप से उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। यदि कोई स्कूल अभिभावकों पर महंगी किताबें खरीदने का दबाव डालता है, तो उस पर कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर के निर्देश पर सभी विकासखंड स्रोत समन्वयक को नोडल अधिकारी के रूप में मेले में नियुक्त किया गया है। मेला स्थल पर पुस्तक प्रकाशकों, स्थानीय विक्रेताओं और यूनिफॉर्म विक्रेताओं ने अपने-अपने स्टॉल्स लगाए हैं।

हालांकि कुछ अभिभावकों ने यह चिंता भी जताई है कि प्राइवेट स्कूलों ने पहले ही नया सत्र शुरू कर दिया है और उन्होंने किताबें पहले ही खरीद ली हैं, जिससे वे इस मेले का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।